सुविचार

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए BCCI ने अचानक बदल दी टीम, 'खूंखार' ऑलराउंडर को किया शामिल » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 186 | दिनांक : मंगलवार, 07 जुलाई 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा के 198 खिलाड़ियों को 20.59 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देंगे मुख्यमंत्री

पंचकूला में खिलाड़ियों का सम्मान, अंतरराष्ट्रीय और पैरा एशियन पदक विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार

पंचकूला (एएम नाथ)– हरियाणा सरकार अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और पैरा एशियन खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने जा रही है। इस उद्देश्य से 7 जुलाई 2026 को प्रात: 11 बजे लोक निर्माण विश्राम गृह, सेक्टर-1, पंचकूला के ऑडिटोरियम में नकद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे, जबकि खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

समारोह के दौरान कुल 198 खिलाड़ियों को 20.59 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। सरकार के अनुसार विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 117 खिलाड़ियों को 13.75 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। वहीं, पैरा एशियन खेल 2022 में शानदार उपलब्धियां हासिल करने वाले 78 खिलाड़ियों को 4.52 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को 2.32 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा।

हरियाणा सरकार का यह कदम खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समारोह में विभिन्न खेलों के पदक विजेता खिलाड़ी सम्मानित होंगे।

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा बदलाव, चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार

चढ़ावा चोरी विवाद के बीच राम मंदिर ट्रस्ट की बड़ी कार्रवाई, दो प्रमुख पदाधिकारी बाहर

अयोध्या (ब्यूरो)– राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ा फैसला लेते हुए महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल कुमार मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने बताया कि ट्रस्ट के संविधान के अनुसार त्यागपत्र स्वत: प्रभावी माना जाता है। आपात बैठक में कई संतों और सदस्यों ने चढ़ावा चोरी प्रकरण तथा रामधन गबन विवाद पर नाराजगी जताई। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने तक ट्रस्ट की जिम्मेदारी कृष्ण मोहन राम को सौंपी गई है। राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी मामले की जांच कर रही है और कई कर्मचारियों व पदाधिकारियों से पूछताछ की जा चुकी है। 25 जून को दर्ज एफआईआर के बाद आठ आरोपितों की गिरफ्तारी भी हुई थी। ट्रस्ट ने माना कि वित्तीय व्यवस्था में गंभीर चूक हुई है। अब 22 जुलाई को प्रस्तावित बैठक में नए न्यासी की नियुक्ति और ट्रस्ट के पुनर्गठन पर निर्णय लिया जा सकता है। यह फैसला राम मंदिर ट्रस्ट में अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव माना जा रहा है।

पीएम मोदी आज करेंगे 'इंडो-पैसिफिक मिशन' की शुरुआत

भारत-इंडोनेशिया रिश्तों को नई उड़ान

- डिजिटल साझेदारी पर बड़ा फोकस, यूपीआई-QRIS लिंक से बढ़ेगा व्यापार और पर्यटन
- इंडोनेशिया के विकास मॉडल को दिशा दे रही भारत की तकनीकी सफलता

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
06 जुलाई (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की विदेश यात्रा के पहले चरण में सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचेंगे। 6 से 8 जुलाई तक होने वाला यह दौरा भारत और इंडोनेशिया के बीच रणनीतिक, आर्थिक और डिजिटल सहयोग को नई गति देने वाला माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ताओं में 'इंडो-पैसिफिक मिशन' की शुरुआत, डिजिटल कनेक्टिविटी, व्यापार, रक्षा और खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुख रहेंगे।

इंडोनेशिया भारत को केवल एक रणनीतिक साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि तकनीक, सुशासन और विकासात्मक समाधानों के विश्वसनीय स्रोत के रूप में देख रहा है। पिछले वर्षों में इंडोनेशिया के कई प्रतिनिधिमंडलों ने भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली, चावल फोर्टिफिकेशन, उर्वरक सब्सिडी सुधार और एग्रीस्टैक जैसी योजनाओं का अध्ययन किया है। अब भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा दोनों देशों के सहयोग का सबसे बड़ा आधार बन रहा है। दौरे की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में प्रस्तावित यूपीआई-QRIS भुगतान लिंक को माना जा रहा है। इसके लागू होने से दोनों देशों के यात्रियों और कारोबारियों को सीमा पार डिजिटल भुगतान की सुविधा मिलेगी।

इससे पर्यटन, व्यापार और डिजिटल वाणिज्य को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। हर वर्ष इंडोनेशिया जाने वाले लगभग 17 लाख भारतीय पर्यटकों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

भारत के ओएनडीसी मॉडल से प्रेरित इंडोनेशिया का ओपन नेटवर्क (ION) भी चर्चा में है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की बैठक के दौरान इसका पहला लाइव डिजिटल लेनदेन प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही 'डिजिटल नुसंतारा' पहल के तहत आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर और ई-केवाईसी जैसे भारतीय डिजिटल समाधान इंडोनेशिया के डिजिटल परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे।

समुद्री सुरक्षा और मलक्का जलडमरूमध्य पर बढ़ेगा रणनीतिक सहयोग

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत और इंडोनेशिया के बीच रणनीतिक सहयोग और गहरा होने की संभावना है। मलक्का जलडमरूमध्य पर स्थित इंडोनेशिया वैश्विक व्यापार और समुद्री मार्गों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से दोनों देशों के रक्षा, व्यापार और समुद्री साझेदारी संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

ब्रह्मोस, UPI और समुद्री सुरक्षा पर बड़े समझौतों की उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे से भारत-इंडोनेशिया संबंधों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। इंडोनेशिया में भारत के राजदूत संदीप चक्रवर्ती के अनुसार रक्षा, व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी, महत्वपूर्ण खनिजों और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में कई अहम समझौते हो सकते हैं। 'ब्रह्मोस प्लस' रक्षा सहयोग इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है। दोनों देश मलक्का जलडमरूमध्य क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग बढ़ाने, UPI आधारित डिजिटल भुगतान व्यवस्था को विस्तार देने और आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने पर भी जोर देंगे।

अमरनाथ यात्रा : 5,794 श्रद्धालुओं का पांचवां जत्था जम्मू से रवाना

कड़ी सुरक्षा के बीच बालटाल व पहलगाम मार्ग के लिए निकला नया काफिला, पंजीकरण और तय तिथि पर ही करें यात्रा, प्रशासन की अपील

» प्रथम न्यूज । जम्मू
06 जुलाई (ब्यूरो)

श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के तहत सोमवार को 5,794 श्रद्धालुओं का पांचवां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से पवित्र अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 257 वाहनों के काफिले में दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित पवित्र गुफा मंदिर की ओर भेजा गया।

अधिकारियों के अनुसार, पांचवें जत्थे में 2,304 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से जबकि 3,490 श्रद्धालु पहलगाम मार्ग से यात्रा करेंगे। यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की ओर से व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी गई है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे केवल वैध पंजीकरण और निर्धारित यात्रा तिथि के अनुसार ही यात्रा पर निकलें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण वाले किसी भी श्रद्धालु को आधार शिविर तक जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

का कहना है कि इससे यात्रा प्रबंधन बेहतर होगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2 जुलाई को जम्मू से अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

इसके बाद से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हो रहे हैं। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

मंडी-चंडीगढ़ और कुल्लू-चंडीगढ़ हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

सुक्खू ने किया वर्चुअल शुभारंभ, पर्यटन और कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

कांगनीधार हेलीपोर्ट से रोजाना उड़ानें, यात्रा समय में होगी बड़ी बचत

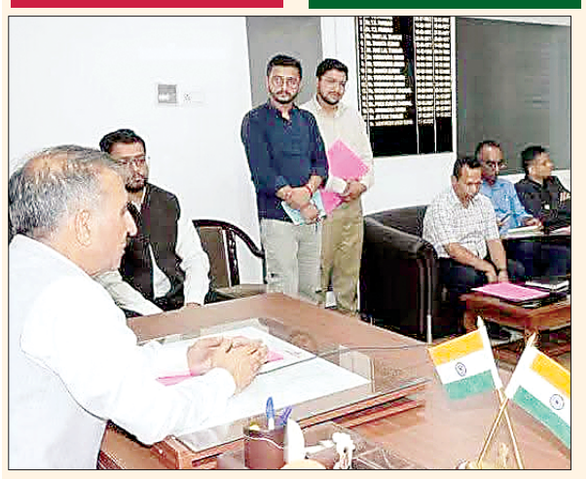

» प्रथम न्यूज । शिमला
06 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को शिमला से मंडी-चंडीगढ़ तथा कुल्लू-मंडी-चंडीगढ़ के बीच संचालित होने वाली दैनिक हेलीकॉप्टर सेवाओं का वर्चुअल शुभारंभ किया। यह सेवा नव-निर्मित कांगनीधार (मंडी) हेलीपोर्ट से संचालित की जाएगी, जिससे प्रदेश के पर्वतीय और दूरदराज क्षेत्रों की हवाई कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी।

निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार हेलीकॉप्टर प्रतिदिन सुबह 9 बजे कुल्लू से उड़ान भरकर 9:10 बजे मंडी पहुंचेगा। इसके बाद मंडी से 9:15 बजे रवाना होकर 9:45 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगा। वापसी में हेलीकॉप्टर सुबह 10 बजे चंडीगढ़ से उड़ान भरेगा और 10:30 बजे मंडी पहुंचेगा। मंडी से 10:35 बजे प्रस्थान कर 10:45 बजे कुल्लू पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई हेलीकॉप्टर सेवाओं से यात्रा का समय काफी कम होगा और लोगों को तेज, सुरक्षित तथा सुविधाजनक आवागमन का विकल्प मिलेगा। इसके साथ ही पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में भी यह सेवा महत्वपूर्ण साबित होगी और स्वास्थ्य सहित अन्य जरूरी सेवाओं की पहुंच अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस पहल से स्थानीय निवासियों, व्यवसायियों और पर्यटकों को व्यापक लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्मानी, महापौर सुरेंद्र चौहान तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दिल्ली और पंजाब से छह संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, ISI से जुड़े मॉड्यूल का खुलासा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
06 जुलाई (ब्यूरो)

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और पंजाब से छह और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार सभी आरोपी पाकिस्तान के गैंगस्टर और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (ढ्डस्ढ्ढ) के एजेंट शहजाद भट्टी के मॉड्यूल से जुड़े हुए हैं।

स्पेशल सेल ने कार्रवाई के दौरान इस नेटवर्क के दो अलग-अलग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा था, जबकि दूसरा अवैध हथियारों की तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कई पिस्टल और पेट्रोल बम बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मॉड्यूल के सदस्य देश में आपराधिक और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में शामिल थे।

दिल्ली पुलिस नेटवर्क की जानकारी जुटा रही

स्पेशल सेल अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क, फंडिंग, हथियारों की सप्लाई चेन और संभावित साजिशों की जानकारी जुटा रही है।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मॉड्यूल से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा उनके निशाने पर कौन-कौन से संभावित लक्ष्य थे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पूछताछ के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

सचदेवा स्टॉक्स को 'आइकॉनिक ब्रांड ऑफ नॉर्थ' अवॉर्ड मिला

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) - सचदेवा स्टॉक्स को नॉर्थ इंडिया में फाइनेंशियल लिटरेसी और इन्वेस्टमेंट एजुकेशन के फील्ड में अहम योगदान देने के चलते 'आइकॉनिक ब्रांड ऑफ नॉर्थ' अवॉर्ड से सममानित किया गया है। यह अवॉर्ड चंडीगढ़ के होटल रेडिसन में ऑर्गनाइज एक बड़े सेरेमनी में दिया गया। जाने-माने फिल्म एक्टर, सिंगर और प्रोड्यूसर नील नितिन मुकेश इस इवेंट में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए जिन्होंने अलग-अलग फील्ड में खास कामयाबी हासिल करने वाली संस्थाओं और लोगों को सममानित किया। इस मौके पर उन्होंने सचदेवा स्टॉक्स को 'आइकॉनिक ब्रांड ऑफ नॉर्थ' अवॉर्ड दिया और फाइनेंशियल अवेयरनेस के फील्ड में संस्था की कोशिशों की तारीफ की। सचदेवा स्टॉक्स के फाउंडर और डायरेक्टर परमजीत सचदेवा ने यह अवॉर्ड लेते हुए इस कामयाबी का क्रेडिट अपनी पूरी टीम और स्टाफ को दिया। उन्होंने कहा कि यह सममान सिर्फ एक इंसान का नहीं, बल्कि पूरी टीम की कड़ी मेहनत, लगन और भरोसे का नतीजा है। उन्होंने कहा कि सचदेवा स्टॉक्स का मुखय मकसद लोगों को फाइनेंशियली मजबूत बनाना और उन्हें सही इन्वेस्टमेंट की जानकारी देना है। परमजीत सचदेवा ने कहा कि आज के दौर में फाइनेंशियल लिटरेसी बहुत जरूरी है, इन्वेस्टमेंट और मनी मैनेजमेंट के बारे में सही जानकारी न होने की वजह से बहुत से लोग अपनी सेविंग्स का सही फायदा नहीं उठा पाते हैं, इसी बात को ध्यान में रखते हुए सचदेवा स्टॉक्स लगातार सेमिनार, वर्कशॉप और ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए लोगों को स्टॉक मार्केट, मयूचुअल फंड और दूसरे इन्वेस्टमेंट ऑप्शन के बारे में शिक्षत कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऑर्गनाइज़ेशन का मकसद सिर्फ बिजनेस करना नहीं है, बल्कि समाज में फाइनेंशियल अवेयरनेस फैलाना भी है, ताकि आम लोग बेहतर तरीके से अपने फाइनेंशियल प्लान बना सकें और फाइनेंशियली मजबूत बन सकें। उन्होंने कहा कि यह अवॉर्ड उन्हें और बेहतर काम करने के लिए इंस्पिरेशन देगा।

लखविंदर सिंह फेरोके का कहना है कि जीरा विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को गुरप्रीत सिंह सीखो के साथ चलना चाहिए

जीरा, 7 जुलाई (अंग्रेज बराड़) - जीरा विधानसभा क्षेत्र से स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और युवा चहेते गुरप्रीत सिंह सीखो की जीत निश्चित है! ये शब्द सीखो टीम के वरिष्ठ सदस्य लखविंदर सिंह लखा बरार फेरोके ने जीरा में पत्रकारों से कहे! उन्होंने कहा कि सरदार गुरप्रीत सिंह सीखो जीरा क्षेत्र के ईमानदार नेता हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के जीरा क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं! लखविंदर सिंह लखा ने आगे कहा कि गुरप्रीत सिंह सीखो जीरा क्षेत्र के लिए मसीहा बनकर आए हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी भी पार्टी से अलग स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे हैं।

गुरप्रीत सिंह सीखो जीरा विधानसभा क्षेत्र से बड़ी जीत हासिल करेंगे! इस अवसर पर लखविंदर सिंह लखा के साथ गुरजंत सिंह जनता, गुरप्रीत सिंह गोरा, बिंदर ढिल्लों, बूटा ढिल्लों आदि उपस्थित थे।

प्यार, एक्शन, राजनीति और सस्पेंस का तगड़ा डोज देगी 'नया पंजाब'

CM के दमदार किरदार में दिखेंगे संजू सोलंकी, लेखक मनोज पुंज ने कहानी में डाला भरपूर मसाला

» प्रथम न्यूज । जालंधर
06 जुलाई (डोगरा)

पंजाब की बदलती तस्वीर, युवाओं की सोच, राजनीति के दांव-पेंच, प्रेम कहानी और जबरदस्त एक्शन का अनोखा संगम लेकर आ रही पंजाबी फिल्म 'नया पंजाब' इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फिल्म की कहानी में जहां सत्ता के गलियारों की हलचल दिखाई गई है, वहीं युवाओं के संघर्ष, सपनों और समाज में बदलाव लाने की सोच को भी प्रमुखता से उभारा गया है। निर्माता और कलाकारों का दावा है कि यह फिल्म दर्शकों को केवल मनोरंजन ही नहीं देगी, बल्कि उन्हें सोचने के लिए भी मजबूर करेगी।

फिल्म में अभिनेता संजू सोलंकी मुख्यमंत्री की प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार एक ऐसे नेता का है जो व्यवस्था में बदलाव लाने और युवाओं को आगे बढ़ाने का संदेश देता है। फिल्म के कई दृश्य राजनीतिक घटनाक्रम, सामाजिक चुनौतियों और जनभावनाओं को करीब से दर्शाते हैं।

फिल्म की कहानी लेखक मनोज पुंज द्वारा तैयार की गई है। उन्होंने फिल्म में पंजाब की राजनीति को बखूबी दर्शाने का प्रयास किया है। कहानी में सत्ता संघर्ष, राजनीतिक समीकरणों और समाज पर उनके प्रभाव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही फिल्म के माध्यम से युवाओं को नशे के दलदल से दूर रहने और खेलों की ओर बढ़ने का प्रेरणादायक संदेश भी दिया गया है। लेखक ने दिखाने का प्रयास किया है कि खेल और सकारात्मक सोच ही युवाओं को सफलता और सम्मान की राह पर आगे बढ़ा सकती है।

फिल्म के लेखक मनोज पुंज ने कहानी को रोमांचक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहानी में प्यार, संघर्ष, विश्वासघात, राजनीति और सस्पेंस के ऐसे मोड़ हैं जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेंगे। दमदार संवाद और घटनाओं का तेज़ प्रवाह फिल्म को खास बनाता है।

निर्माताओं के अनुसार फिल्म का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और समाज में उनकी भूमिका को रेखांकित करना है। फिल्म यह संदेश देती है कि यदि युवा सही सोच और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो समाज और प्रदेश की तस्वीर बदल सकते हैं।

क्या है फिल्म की खासियत

- प्यार, एक्शन और राजनीति का अनोखा मिश्रण
- युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों की ओर बढ़ने का संदेश
- सस्पेंस से भरपूर कहानी और दमदार संवाद
- मुख्यमंत्री के प्रभावशाली किरदार में संजू सोलंकी
- पंजाब की राजनीति और सामाजिक मुद्दों का जीवंत चित्रण

कहानी की झलक : फिल्म में सत्ता, संघर्ष और समाज के बीच चल रही खींचतान को दिखाया गया है। कई ऐसे घटनाक्रम सामने आते हैं जो पात्रों की जिंदगी को नई दिशा देते हैं। कहानी में भावनाएं हैं, रोमांच है और ऐसे रहस्य हैं जो दर्शकों को अंत तक उत्सुक बनाए रखते हैं।

दर्शकों को क्यों पसंद आ सकती है फिल्म

फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी देती है। यही कारण है कि निर्माता इसे हर वर्ग के दर्शकों के लिए उपयुक्त मान रहे हैं। खासकर युवाओं को फिल्म का विषय, संदेश और प्रेरणादायक पहलू अपनी ओर आकर्षित कर सकता है।

दीनानगर में ट्रेडर्स कमीशन ने दुकानदारों और व्यापारियों के साथ की विशेष बैठक; मौके पर ही सुनीं समस्याएं

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
06 जुलाई (संदीप सन्नी)

ट्रेडर्स कमीशन द्वारा आज महाराजा रणजीत सिंह पार्क, नजदीक 5 नंबर बिजली घर, दीनानगर में स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों की चिरलंबित समस्याओं व शिकायतों को सुनने के लिए एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में विधानसभा क्षेत्र दीनानगर के प्रभारी शमशेर सिंह, एसडीएम दीनानगर गगनदीप सिंह, ट्रेड कमीशन के चेयरमैन राजीव सैनी, डीएसपी राजिंदर मिन्हास और नायब तहसीलदार सुखविंदर सिंह सहित भारी संख्या में स्थानीय दुकानदार व नामचीन व्यापारी उपस्थित रहे।

व्यापारियों के बीच बाजारों में जाकर हो रहा है समस्याओं का निवारण

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए हलका प्रभारी शमशेर सिंह ने कहा कि दीनानगर क्षेत्र के व्यापारियों और दुकानदारों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इन बैठकों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि प्रशासनिक अधिकारी मौके पर खुद मौजूद रहते हैं, जिससे समस्याओं का निपटारा तुरंत सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार सूबे के व्यापारियों की हर जायज मांग और परेशानी को हल करने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है। इसी नीति के तहत प्रशासनिक अमला खुद दुकानदारों और व्यापारियों के पास उनके बाजारों में जाकर, उनके बीच बैठकर उनकी जमीनी समस्याओं को सुन रहा है और उनका ऑन-द-स्पॉट निवारण कर रहा है।

प्राथमिकता के आधार पर हल होंगे सभी मुद्दे-

बैठक के दौरान स्थानीय दुकानदारों व व्यापारिक मंडलों द्वारा व्यापार से जुड़ी प्रशासनिक अड़चनें, बुनियादी ढांचे, बाजारों की सफाई, सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था से संबंधित विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष विस्तार से रखी गईं।

इन शिकायतों को बेहद गंभीरता से सुनते हुए मौके पर मौजूद विभिन्न संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों ने व्यापारियों को पूरा भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए हर एक मुद्दे और समस्या को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द हल किया जाएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहा साकार: देविंदर भारद्वाज

***भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पित अर्पित और पौधा लगाकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया**

» प्रथम न्यूज । जालंधर
06 जुलाई (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी जालंधर द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान राष्ट्रवादी विचारक एवं अखंड भारत के प्रबल समर्थक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ मनाई गई।भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्यकारी प्रधान देविंदर भारद्वाज ने की। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष सूद, पूर्व जिला अध्यक्ष नवल कंबोज, पूर्व विधायक जगबीर बराड़, वरिष्ठ भाजपा नेत्री करमजीत कौर चौधरी,उपप्रधान भूपिंदर कुमार ने भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।वही कार्यकारी प्रधान देविंदर भारद्वाज ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 卐एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे卐 का उद्घोष कर राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर भाजपा ने डॉ. मुखर्जी के अधूरे संकल्प को पूरा किया और उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। आज देश मजबूत नेतृत्व, निर्णायक सरकार और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला, व्यापारी और हर वर्ग के विकास के लिए ईमानदारी से कार्य कर रही है, जबकि विपक्ष केवल तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति में उलझा हुआ है।इसी कड़ी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश मल्होत्रा, जिला प्रवक्ता हिमांशु शर्मा, सनी शर्मा तथा डिंपी लुभाना सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ भारत के संकल्प को दोहराया। वही भाजपा जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन और जनकल्याण का आदर्श है। भाजपा केवल

विचारों की बात नहीं करती, बल्कि सेवा, विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों के माध्यम से उन्हें धरातल पर उतारने का काम करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इसी लक्ष्य के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहा है7इस कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने, राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस मौके जिला भाजपा सचिव अनु शर्मा, मीनू शर्मा, मंडल भाजपा प्रधान राजेश मल्होत्रा,मनीष बल, दीपाली बागड़िया,राजन मलहन, जगमोहन मागो, पूर्व सिंह,अजमेर सिंह बादल, शालू, हेमंत खन्ना, यजीत हुरिया, सीमा, वरुण नागपाल, सुमन राना, वरिंदर करवल, रिपुदमन सिंह आदि उपस्थित रहे।

मिर्गी न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसमें व्यक्ति को बार-बार दौरे पड़ते हैं : डॉ. दिनेश

अमृतसर (साहिब दयाल) कश्मीर एवेन्यू के न्यूरो विशेषज्ञ डा. दिनेश कुमार ने बताया कि मिर्गी (न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर) है, जिसमें रोगी को बार-बार दौरे पड़ते हैं, यह गंभीर स्वास्थ्य स्थिति है। दौरे के समय व्यक्ति का दिमागी संतुलन डॉ. दिनेश पूरी तरह से गड़बड़ा जाता है और उसका शरीर लड़खड़ाने लगता है, इसका प्रभाव शरीर के किसी एक हिस्से पर देखने को मिल सकता है, जैसे चेहरे, हाथ या पैर, इन दौरों में तरह तरह के लक्षण होते हैं और सभी मरीजों में एक जैसे लक्षण नहीं होते। इस रोग के लक्ष्णों में मुख्य रूप से बेहोशी आना, गिर पड़ना, हाथ पांव में झटके आना आदि देखे जा सकते हैं। मिर्गी किसी एक बीमारी का नाम नहीं है, अनेक बीमारियों में मिर्गी जैसे दौरे आ सकते हैं। मिर्गी के सभी मरीज एक जैसे नहीं होते। किसी की बीमारी किसी मरीज को मिर्गी का कम प्रभाव होता है तो कुमार किसी को बहुत ज्यादा अधिक प्रभाव होता है। इनमें से आधे मरीजों के दौरे रुके होते हैं और शेष आधे मरीजों में दौरे आते हैं, अधिकतर लोगों को भ्रम होता है, के यह रोग अनुवांशिक होता नो है, पर सिर्फ एक-दो लोगों में ही यह रोग अनुवांशिक होता है।

चोरी-यारी ताना, मेहनत का क्या ताना पापी पेट के लिए कड़कती धूप में छलिया बेच रही प्रवासी महिला ने पेश की मिसाल

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर
06 जुलाई (तरसेम दीवाना)

समझदार कहते हैं कि चोरी ताना, यारी ताना, पर मेहनत का कोई ताना नहीं होता। इसी कहावत को सच कर दिखाया है एक प्रवासी महिला ने, जो समाज के ताने-बाने की परवाह किए बिना, सिर्फ और सिर्फ अपने परिवार के पालन-पोषण (पापी पेट के सवाल) के लिए दिन-रात एक कर रही है।

आज के दौर में जहां कई लोग मेहनत करने से कतराते हैं, वहीं यह साहसी प्रवासी महिला कड़कती धूप में सड़क किनारे बैठकर छलिया भूनने का काम कर रही है। हैरानी और गर्व की बात यह है कि वह इस कड़कती गर्मी में न केवल अपने छोटे बच्चे को संभाल रही है, बल्कि साथ-साथ बड़ी लगन से ग्राहकों को अटेंड करती है और उन्हें गरमा-गरम छलिया भूनकर देती है। मौके पर देखा गया कि महिला एक ही समय में तीन-तीन जिम्मेदारियां निभा रही है। एक तरफ मां का ममता है, जहां वह अपने बच्चे की देखभाल कर रही है, और दूसरी तरफ पेट की आग बुझाने के लिए कोयलों की आग के सामने बैठकर छलिया भून रही है। आने-जाने वाले ग्राहकों के साथ उसका विनम्र व्यवहार हर किसी का दिल जीत रहा है।

इस बहादुर महिला की यह हिम्मत उन लोगों के मुंह पर एक करारा तमाचा है जो हाथ-पैर होते हुए भी काम करने से चोरी करते हैं या गलत रास्तों पर चलते हैं।

यह प्रवासी महिला साबित कर रही है कि अगर मन में ईमानदारी और मेहनत की भावना हो, तो कोई भी मुश्किल रास्ते का रोड़ा नहीं बन सकती। लोगों द्वारा इस मेहनती महिला के जज्बे को सलाम किया जा रहा है।

पीएसएसएफ सफाई कर्मचारियों द्वारा की जा रही हड़ताल का समर्थन करता है

» प्रथम न्यूज । जालंधर
06 जुलाई (कुलदीप सिंह)

राज्य कर्मचारियों के संघर्षरत संगठन पंजाब अधीनस्थ सेवा महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश राणा, महासचिव तीरथ सिंह बस्सी और वित्त सचिव गुरदीप सिंह बाजवा ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि संगठन सरकार द्वारा अपनी मांगों को पूरा न करने और वादों को तोड़ने के विरोध में कल से राज्य में सफाई कर्मचारियों द्वारा शुरू की जा रही अनिश्चितकालीन हड़ताल का पूर्ण समर्थन करता है और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष को तेज करने की घोषणा की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश प्रेस सचिव इंदरजीत विर्दी ने बताया कि अतीत में सफाई कर्मचारियों ने लगभग एक महीने तक हड़ताल करके पूर्णत: काम बंद कर दिया था और संघर्ष के दबाव के कारण सरकार द्वारा आयोजित बैठक में कोई भी मांग स्वीकार नहीं की गई, जिसके कारण हड़ताल को फिर से बुलाया गया है। नेताओं ने कहा कि वर्तमान भगवंत मान सरकार ने पंजाब के संघर्षपूर्ण गौरव को कुचल दिया है और मुफ्त और अनावश्यक सुविधाएं देकर पंजाब के लोगों को भिखारी बना दिया है। भगवंत मान पंजाब के विकास के नाम पर जल्दबाजी में कर्ज ले रहे हैं और सारा पैसा दिल्ली स्थित उनके आका के ऐशो-आराम में उड़ाया जा रहा है।

नेताओं ने कहा कि पंजाब कर्मचारी एवं पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा और संयुक्त कर्मचारी मंच द्वारा शुरू किए गए संघर्षों को और तेज किया जाएगा। नेताओं ने सभी श्रमिक वर्ग से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थन करने और उनके द्वारा किए जा रहे आंदोलनों में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

सेंट सोल्जर स्कूल जंडियाला गुरु में सम्मान समारोह आयोजित

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ.अमरपाल सिंह मुख्य अतिथि शामिल हुए

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
06 जुलाई (साहिब दयाल)

रिकॉग्नाइज्ड एंड एफिलिएटेड स्कूल एसोसिएशन द्वारा सेंट सोल्जर एलीट कॉन्वेंट स्कूल, जंडियाला गुरु, किशन सिंह ऑडिटोरियम में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करना था जिन्होंने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 2026 की परीक्षाओं में राज्य स्तर पर मेरिट हासिल की है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अमरपाल सिंह अपनी पत्नी के साथ मुख्य अतिथि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मंच का संचालन प्रिंसिपल एच. एस. कथानिया ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पंजाब के अध्यक्ष प्रिंसिपल रवि शर्मा ने मुख्य अतिथि पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन साहिब, उनकी पत्नी, सभी पदाधिकारियों और प्रिंसिपलों का स्वागत किया। जिला अध्यक्ष रविंदर सिंह पठानिया ने कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड परीक्षा 2026 में राज्य स्तर पर मेरिट हासिल करने वाले बच्चों को बोर्ड के चेयरमैन द्वारा मेरिट

रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान, प्रिंसिपल अश्विनी अवस्थी, प्रिंसिपल प्रदीप शर्मा, प्रिंसिपल विनोद कालिया और कई स्कूलों के प्रिंसिपलों को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी बेहतरीन सेवाओं के लिए खास तौर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आखिर में, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अमरपाल सिंह जी को एसोसिएशन की ओर से ग्लोबल एंबेसडर पंजाबी ओलंपियाड के तौर पर खास सम्मान दिया गया। इस मौके पर हरपाल सिंह यूके (चेयरमैन, पंजाब), डी. एस. पठानिया (वाइस चेयरमैन, पंजाब), प्रिंसिपल चरणजीत सिंह हुंदल (वाइस प्रेसिडेंट, पंजाब), प्रिंसिपल दिलबाग सिंह (कैशियर, पंजाब), प्रिंसिपल सलवान शर्मा (टीम मैनेजर, पंजाब) मुख्य सलाहकार प्रिंसिपल नागिन सिंह बीएलएल, प्रिंसिपल परमिंदर सिंह संधू, प्रिंसिपल इंदरजीत सिंह खुजाला, प्रिंसिपल जसबीर सिंह सोहल, प्रिंसिपल परमिंदर सिंह सैदोलेहल, प्रिंसिपल नवजोत सिंह भंगू (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमृतसर), प्रिंसिपल प्रतीक सहदेव (वाइस प्रेसिडेंट), प्रिंसिपल तेजबीर सिंह सोहल (जनरल सेक्रेटरी ज़िला अमृतसर), प्रिंसिपल जसबीर सिंह बटाला (सेक्रेटरी ज़िला अमृतसर), प्रिंसिपल गुरजीत सिंह (प्रेसिडेंट तहसील बाबा बकाला), प्रिंसिपल शामलाल मेहता (जनरल सेक्रेटरी बाबा बकाला), प्रिंसिपल अमरप्रीत सिंह (प्रेसिडेंट तहसील मजीठा), प्रिंसिपल हरभजन सिंह (जनरल सेक्रेटरी मजीठा), प्रिंसिपल हरजिंदर सिंह (प्रेसिडेंट तहसील अजनाला), प्रिंसिपल गुरदर्शन बजाज (वाइस प्रेसिडेंट अजनाला), प्रिंसिपल अवतार सिंह मकोवाल (जनरल सेक्रेटरी अजनाला), प्रिंसिपल अमित शर्मा (प्रेसिडेंट तहसील अमृतसर) और प्रिंसिपल हरप्रीत सिंह जनरल सेक्रेटरी तहसील अमृतसर हाजिर थे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जोगिन्द्रा केंद्रीय सहकारी बैंक कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न, किशन देव बने अध्यक्ष

सोलन (योगेश चौहान): जोगिन्द्रा केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रधान कार्यालय में कर्मचारी संघ का साधारण अधिवेशन एवं चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अधिवेशन के दौरान कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। चुनाव में किशन देव को कर्मचारी संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया, जबकि हरपाल सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सौरभ धीमान को उपाध्यक्ष चुना गया। इसी प्रकार सचिन पाल को महासचिव, रजनी शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा मदन गोपाल को लीगल एडवाइजर की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारी समिति के लिए नरेश कुमार, पंकज ठाकुर, पूजा ठाकुर, सुदर्शन तंवर, कुलविंदर सिंह, ललित ठाकुर और मुकेश कुमार का निर्वाचन किया गया। सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से होने पर कर्मचारियों ने खुशी जताई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बैंक कर्मचारियों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा कर्मचारी संघ को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा। इस अवसर पर बैंक के कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं भी दीं।

प्रशासनिक अधिकारी केशव राम को सम्राट अशोक क्लब ने किया सम्मानित

बद्दी (तारा): हिमाचल प्रदेश सरकार में बतौर प्रशासनिक अधिकारी कार्य कर रहे केशव राम को अपने कार्यकाल में उत्कृष्ट व बेहतर सेवाओं के लिए सम्राट अशोक क्लब बद्दी हिमाचल प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया है। क्लब के प्रदेश अध्यक्ष राम नारायण मौर्य ने बताया कि केशव राम (एचएएस) जो कि वर्तमान में पोंगडैम प्रोजेक्ट राजा का तालाब फतेहपुर जिला कांगड़ा में लैंड एक्वीजीशन ऑफिसर के पद पर कार्यरत है उन्हें डा. मनमोहन सिंह (हि,प्र) ईस्चयूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन शिमला के प्रांगण में सम्राट अशोक क्लब हिमाचल प्रदेश कि टीम ने उन्हें भगवान बुद्ध का पंचशील पटका, सम्राट अशोक की फोटो की प्रति एवं भारत का राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह अशोक स्तंभ भेंट कर उनका मान बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि केशव राम सुलझे हुए योग्य प्रशासनिक अधिकारी है तथा उन्होंने प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस अवसर पर सम्राट अशोक क्लब के प्रदेश अध्यक्ष राम नारायण मौर्य,प्रदेश महासचिव अरबिंद मौर्य,जिलाध्यक्ष अमरेंद्र वर्मा व अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। केशव राम ने सम्राट अशोक क्लब का सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया व क्लब के लिए हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

धर्मपाल चौहान बने हिमाचल प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष

बीबीएन 6 जुलाई (तारा) – बद्दी के मानकपुरा निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष धर्मपाल चौहान को हिमाचल प्रदेश गोसेवा आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र में खुशी की लहर है और समर्थकों व शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है।

धर्मपाल चौहान इससे पहले जिला सोलन जिला परिषद के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। लंबे समय से सामाजिक कार्यों और जनसेवा से जुड़े चौहान को अब गोसेवा जैसे महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है।दून के पूर्व विधायक स्वर्गीय चौधरी लज्जा राम के चहते रहे हैं एवम उन्हें वो अपना धर्म के पुत्र मानते थे ।

अपनी नियुक्ति पर धर्मपाल चौहान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार,गोसेवा आयोग के अध्यक्ष रमेश्वर ठाकुर, दून के विधायक राम कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बावा सहित प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन पर जताए गए विश्वास पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

धर्मपाल चौहान ने कहा कि उनकी आस्था शुरू से ही गोसेवा में रही है और वे इसे केवल दायित्व नहीं बल्कि सेवा का माध्यम मानते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह पद सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। मेरा प्रयास रहेगा कि प्रदेश में गोसंरक्षण एवं गोसेवा को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि गोवंश के संरक्षण, संवर्धन और गौशालाओं को सशक्त बनाने के लिए आयोग के माध्यम से सार्थक कार्य किए जाएंगे। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

शिमला के रामपुर बुशहर में बादल फटा

बरांदली खड्ड में बाढ़ से भारी तबाही

रामपुर बुशहर (शिमला) (ब्यूरो)– हिमाचल प्रदेश में मौसम कड़े तेवर दिखा रहा है। जिला शिमला के उपमंडल रामपुर की पंचायत नरेन के अंतर्गत बरांदली खड्ड में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। अचानक आई बाढ़ से खड्ड का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मच गई।

बाढ़ के तेज बहाव से स्थानीय खेल मैदान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मैदान को जोड़ने वाली सड़क भी बह गई, जिससे क्षेत्र का संपर्क प्रभावित हुआ है। वहीं, कुरनू खड्ड पर पेलन गांव को जोड़ने वाला पैदल पुल भी बाढ़ की चपेट में आ गया, जिससे ग्रामीणों की आवाजाही संकट में पड़ गई है। पंचायत नरेन की प्रधान अनू पौंड ने बताया कि बाढ़ के कारण कई किसानों की कृषि भूमि और फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा से ग्रामीणों को भारी आर्थिक क्षति हुई है। प्रधान ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र सर्वेक्षण कर नुकसान का आकलन करने तथा प्रभावित परिवारों और किसानों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़क, पैदल पुल और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों की जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

8 जुलाई को अर्की उपमंडल के कई क्षेत्रों में 8 घंटे बिजली रहेगी बाधित

अर्की, 6 जुलाई (योगेश चौहान)– विद्युत उपमंडल अर्की के अंतर्गत 33 केवी सब-स्टेशन एवं 33 केवी लाइन के आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते 11 केवी फीडरों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में 8 जुलाई 2026 (बुधवार) को सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यदि किसी कारणवश निर्धारित तिथि को कार्य पूरा नहीं हो पाया तो यह कार्य 9 जुलाई 2026 को पूरा किया जाएगा।

सहायक अभियंता ई. नीरज कुमार कतना ने बताया कि अर्की फीडर के अंतर्गत वार्ड संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 6 एवं 7, बातल फीडर के अंतर्गत बातल, मांजू, मंज्याट तथा आसपास के क्षेत्र, गलोग फीडर के अंतर्गत जलाना, बथालंग, चंईया, जावड़ा,खेड़ीघाटी तथा आसपास के क्षेत्र, एनसीपीसी फीडर के अंतर्गत पेयजल योजना सरली (एनसीपीसी) तथा शालाघाट फीडर के अंतर्गत शालाघाट, कोटली, चम्यावल, दानोघाट, घलोथ, घुमारी, दघोगी एवं आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि मरम्मत कार्य के दौरान होने वाली असुविधा के लिए खेद है तथा कार्य समय पर पूरा होने पर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

झाड़माजरी बस स्टैंड की आधा दर्जन दुकानों में घुसा पानी

वर्ल्ड बैंक ने सड़क तो बनाई लेकिन दुकानदारों की नहीं बदली तकदीर

» प्रथम न्यूज । बद्दी

06 जुलाई (गुरजीत सिंह)

बद्दी मार्ग पर बस स्टैंड झाड़माजरी में दुकानदारों को थोड़ी सी वर्षा होने पर भय सताने लगता है कि हमारी दुकानों में अब पानी घुसेगा। किसानों और अन्य लोगों को बारिश होने की खुशी होती है लेकिन झाड़माजरी बस स्टैंड के लोग दुकानों में पानी घुसने का डर पिछले पंद्रह बीस साल से भय के साये में रहते है। लेकिन इस वर्ष वर्ल्ड बैंक ने सड़क बनाने में चार चांद तो लगा दिए। लेकिन अब इन दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पहले बड़ी बारिश पड़ने पर पानी घुसता था। लेकिन अब सड़क ऊंची हो जाने से अगर थोड़ी सी बारिश हो जाए तो दुकानें लबालब हो जाती है। सोमवार को दोपहर हुई हल्की सी बारिश के पानी ने ढाबा,सुनार की दुकान,क्लिनिक,हेयर ड्रेसर और अन्य कई दुकानदार परेशान हो रहे है। मार्किट के प्रधान राजेश कुमार, सुनील कुमार,बिपिन निरंकारी, पाली वर्मा,करतार सिंह,नरेंद्र, डॉ बलदेव,अश्वनी,विजय कुमार, डॉ अनवर ,सुरिंदर सैनी ,तरसेम शर्मा,कुलदीप राजपूत,चंदन पूर्वे,सुरेश चोपड़ा,संजू,नितिन चोपड़ा,राजू,रानू, दर्शन,बाल्मीकी,राजेश चाणक्य,अमित गुप्ता आदि दुकानदारों ने बताया कि हम लोग अरसे से दुकानों में पानी घुसने का दंश झेल रहे है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने उपायुक्त सोलन से मांग कि है की दुकानदारों की अरसे से चली आ रही इस समस्या का निदान करवाया जाए।

कल्याण कला मंच बिलासपुर द्वारा गैहरा में आयोजित सम्मान समारोह में

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

06 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

कल्याण कला मंच बिलासपुर की मासिक बैठक और सम्मान समारोह बल्ह चुरानी के साथ गैहरा गांव में सरस्वती शर्मा के घर पर संपन्न हुआ जिसमें मंच के पैंतीस से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

मंच के मुख्य संरक्षक डॉ लेख राम शर्मा के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के निदेशक सुरेन्द्र मिन्हास ने की जबकि मंच संचालन संयोजक अमर नाथ धीमान ने बखूबी किया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल, मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा उपनिदेशक बेली राम टैगोर, और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधीक्षक धर्म पाल शर्मा मंच पर विराजमान रहे। काले बाबा जी और मां सरस्वती की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित करने के पश्चात आचार्य जगदीश सहोता ने सरस्वती वंदना और मंगल ध्वनी से समां बांध दिया। निदेशक सुरेन्द्र मिन्हास ने मंच के उद्देश्यों और गति विधियों पर जानकारी दी। मंच द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बेली राम टैगोर को काले बाबा समाज प्रहरी, हिडिंबा वेलफेयर सोसाइटी बल्ह चुरानी को काले बाबा समाज सेवा सम्मान, और मंच की दिव्यांग सदस्या सरस्वती शर्मा उर्फ स्वाति को काले बाबा साहस सम्मानों से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही डा लेखराम शर्मा, जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल और धर्म पाल शर्मा को भी कल्याण कला मंच द्वारा बेज, पुष्पहार और दिव्य चुनरी से विभूषित करके सम्मानित किया गया। कॉलेज बिलासपुर की हिंदी प्रवक्ता अर्चना शर्मा और हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक कर्मचारी अनिल शर्मा नील को मंच की सदस्यता क्रमांक 58, और 59 प्रदान की गई।

अपने संबोधन में हिडिंबा वेलफेयर सोसाइटी के देश राज ने मंच द्वारा सोसाइटी को सम्मानित करने के लिए धन्यवाद दिया।। वहीं पूर्व जिला परिषद सदस्य बेली राम टैगोर ने मंच की समाज सुधार की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए अपना हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया। मुख्य संरक्षक डॉ लेख राम शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल ने मंच को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।।

मोदी सरकार ने हिमाचल और कांगड़ा को विकास की नई पहचान दी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने केंद्रीय सहायता का सदुपयोग नहीं किया : संजय टंडन

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला

06 जुलाई (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी संजय टंडन ने आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत जिला पालमपुर, जालंध धर्मशाला के प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विपिन सिंह परमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में संजय टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश, विशेषकर कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अभूतपूर्व सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल को विकास, स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में ऐतिहासिक सौगातें दी हैं, लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार इन संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने में पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश को एम्स बिलासपुर, मेडिकल डिवाइस पार्क, हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार सहित हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं समर्पित की हैं। वहीं हाल ही में केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को 3,920 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता भी उपलब्ध कराई है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में प्रदेश के लिए 2,247 करोड़ रुपये की लागत से 294 सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनमें केंद्र सरकार का लगभग 2,019 करोड़ रुपये का योगदान है।

संजय टंडन ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं के समय भी हिमाचल प्रदेश को हरसंभव सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं प्रदेश का दौरा कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए 1,500 करोड़ रुपये के विशेष सहायता पैकेज की घोषणा की तथा राष्ट्रीय राजमार्गों, प्रधानमंत्री आवास योजना, एसडीआरएफ और किसानों के लिए अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार केंद्र से प्राप्त धनराशि का समुचित उपयोग करने में असफल रही है, जिसके कारण विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल घोषणाओं और प्रचार तक सीमित है, जबकि धरातल पर जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा।

संजय टंडन ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और आज प्रदेश में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है, जिसे जनता 卐सूटकेस सरकार卐 के नाम से जानने लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अपने नेता सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगा रहे हैं कि प्रदेश सरकार हर महीने पांच सूटकेस भरकर दिल्ली भेजती है। जब स्वयं कांग्रेस के नेता अपनी सरकार पर ऐसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं, तो प्रदेश की जनता समझ सकती है कि सरकार की कार्यप्रणाली कैसी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रशिक्षण वर्गों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना, संगठनात्मक क्षमता का विकास करना तथा जनसेवा के लिए और अधिक प्रभावी बनाना है। इस अवसर पर भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशिक्षण वर्ग के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बनलगी में एक औद्योगिक इकाई ने बंद किया गांव का रास्ता

पंचायत ने एसडीएम कसौली को लिखा शिकायत पत्र

पट्टा मेहलोग (तारा): विकास खंड पट्टा मेहलोग के तहत ग्राम पंचायत दाड़वा के गांव बनलग व शामाघाट के दर्जनों लोगों ने बनलगी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक निजी कंपनी पर गांव की ओर जाने वाले वर्षों पूर्व पुराने पैदल रास्ते को बंद करने का आरोप लगाया है। पंचायत की प्रधान किरण बाला ,पूर्व प्रधान रमेश कुमार,पूर्व उप प्रधान हीरालाल के इलावा धर्मेंद्र कुमार, इंदर देव,दिला राम,खुशदेव ठाकुर, पीताम्बर, संजीव कुमार, ममता, हेमलता व लीला देवी सहित अन्य लोगों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि बनलगी में स्थित गुजरात की एक कंपनी ने गांव के रास्ते को काँटेदार तार लगाकर बंद का दिया है,जिससे मिडल व प्राइमरी स्कूल बनलगी में पढ़ने वाले दर्जनों बच्चों व गांव शामाघाट,बनलग, राबी,धांधडी व हनुमान मंदिर की ओर जाने वाले लोगों को एक से दो किलो मीटर दूर दूसरे रास्ते से जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह एक कागजाती रास्ता है व वर्षों से वे इस रास्ते से आते जाते हैं लेकिन कंपनी ने गांव को बिना सूचना दिए इसे अचानक बंद कर दिया है। जो कि न्यायसंगत नहीं है व मनमानी व जन विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। गांव के लोगों ने जब कंपनी के प्रतिनिधियों से इस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि अभी कंपनी मालिक विदेश गए हैं। पंचायत की प्रधान किरण बाला व पूर्व उप प्रधान हीरालाल सहित सभी लोगों ने कहा कि रास्ते को खुलवाने के लिए पंचायत व गांव की ओर से एस डी एम कसौली को एक शिकायत पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा कि गांव के लोग किसी भी कंपनी की मनमानी बर्दाश्त नहीं करेंगे,चाहे उन्हें न्यायलय का दरवाजा क्यों न खटखटाना पड़े।

31 जुलाई तक लंबित मांगें पूरी करे सरकार, कुनिहार में पेंशनरों की मांग

डीआर की बकाया किस्तें और देय राशि जल्द जारी करने की उठी आवाज, पेंशनर महासंघ की बैठक में 14 सूत्रीय मांगपत्र पर कार्रवाई की समीक्षा

» प्रथम न्यूज । अर्की

06 जुलाई (योगेश चौहान)

भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ की कुनिहार इकाई की बैठक इकाई अध्यक्ष आरपी जोशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में महासंघ के प्रदेश महामंत्री इंद्रपाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पेंशनरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार से लंबित मांगों को 31 जुलाई तक पूरा करने की मांग उठाई गई।

बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष आरपी जोशी ने सदस्यों का स्वागत किया और संगठन की गतिविधियों तथा पेंशनरों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने महंगाई राहत (डीआर) की बकाया किस्तों और अन्य लंबित देय राशियों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदेश महामंत्री इंद्रपाल शर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि गत 13 मई को प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक में 14 सूत्रीय मांगपत्र पर विस्तृत चर्चा हुई थी। मुख्यमंत्री ने इन मांगों पर 31 जुलाई तक कार्रवाई का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने 14 में से छह मांगों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को संशोधित वेतनमान की बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है, जबकि 65 से 70 वर्ष आयु वर्ग के पेंशनरों को इस माह बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनवरी 2016 से जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल देय राशि का 40 प्रतिशत भुगतान जुलाई माह में किए जाने पर सरकार सहमत हुई है। इसके अलावा परिवहन निगम के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अलग से बैठक आयोजित की गई तथा शहरी निकायों के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को वर्ष 2016 से संशोधित वेतनमान के अनुसार वेतन और पेंशन देने के आदेश जारी किए गए हैं।

इंद्रपाल शर्मा ने बताया कि पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान के लिए सरकार ने 103 करोड़ रुपये संबंधित विभागों को जारी किए हैं तथा अतिरिक्त बजट की प्रक्रिया भी जारी है। साथ ही वित्त विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों एवं आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को पेंशनरों के लंबित भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इन निर्णयों के लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हुए शेष मांगों तथा 15 प्रतिशत महंगाई राहत की बकाया किस्तों का भी शीघ्र भुगतान करने की मांग की।

बैठक में प्रदेश स्तर पर गठित 18 संगठनों की संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा पेंशनरों की मांगों को लेकर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई तथा भविष्य में समिति द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण चंद्र वर्मा, जिला सचिव ओमप्रकाश गर्ग, महामंत्री राकेश शर्मा, सचिव देवेंद्र कौशल, सुशील शर्मा, एस.पी. शर्मा, डॉ. कीर्ति, विद्या गर्ग, तारा चौधरी, कंचनमाला, सुनीता भारद्वाज, हरिदास, जे.पी. शाह, मोहनलाल भारद्वाज, ताराचंद शर्मा, ओम राणा, हरदेव जोशी, ललित शर्मा, सोहनलाल, कंवर सिंह, जगदीश चंदेल, परशुराम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

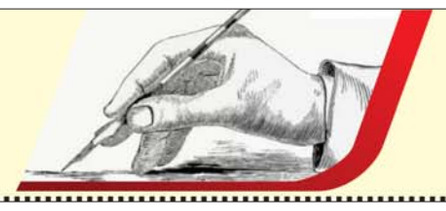

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

माया के मायाजाल में फंसता जा रहा है आधुनिक मानव ?

गुलजार साहब का एक शेयर है कि एक दिन हम सब मर जाएंगे ये हकीकत जानने के बावजूद भी हम एक दूसरे का जीना हराम कर देते हैं ।मानव को इस पर चिंतन मनन करना चाहिए । वर्तमान परिपेक्ष्य में जर,जोरु जमीन के लिए खून बहाया जा रहा है गज भर जमीन के टुकडे के लिए एक दूसरे के खून के प्यासे होते जा रहे हैं जबकि अटल सच्चाई यह है की जमीन यहीं रह जाएगी इसे कोई उठाकर नही ले जाएगा । आधुनिक मानव आज माया के मायाजाल में फंसता जा रहा है दिन रात अवैध धंधे करके अकूत पैसा इक्कठा कर रहा है। आज लोगों के पास समय नहीं है इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिये समय नहीं है। हर समय पैसा ही पैसा कमाने मे व्यस्त रहता है ।अनैतिक तरीकों से धन कमा रहा है मगर मानव को यह पता है कि दुनिया में नंगा आया था नंगा ही जाएगा तो यह धन-दौलत का लालच क्यों कर रहा है। गलत काम करके पैसा अर्जित करके आलिशान महल बना रहा है मगर पल की खबर नहीं है। आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे मानव को कीडे-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की चमक फीकी पड़ जाती है। यह लोग कार, कोठी और पैसे को ही जीवन का ध्येय मान बैठे हैं ।महगें कपड़े पहन कर कोई आदमी बड़ा नहीं है बल्कि उसके गुणों के कारण ही पहचान होती है ।कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए ।समाज में ऐसे लोग घातक होते है ।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए ।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए ।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए ।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए ।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए ।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है ।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है ।गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए ।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए ।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोागों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है ।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

नहीं समझ रहा है ।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं ।मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए ।समाज को मंथन करना होगा ।मौत सबको आती है कोई अमर नहीं होता ।अमर होने के लिए कर्म करने पड़ते है ।अच्छाई ही अदमी को अमर कर सकती है ।युगों-युगों तक अच्छाई की मशाल जलती रहेगी ।मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता। जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है ।आज का इंसान साम,दाम दंड ,भेद जैसी नापाक नीतियां अपनाकर रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है ।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने जीवन में कुछ एक ऐसे कार्य करने चाहिए कि समाज एक इंसान के रुप में याद करता रहे ।आधुनिक इंसान पता नहीं किस गलतफहमी में जी रहा है कि सदा ऐसे ही चलती रहेगी ।मौत एक अटल सच्चाई है। आदमी ही आदमी से भेदभाव करता है मगर मौत कोई भेदभाव नहीं करती ।जिन्दगी एक बार मिलती है फिर यह नफरत क्यों की जा रही हैहर इंसान से एक जैसा व्यवहार करना चाहिए ।सादा जीवन जीना चाहिए ।समाज में कुछ लोग ऐसे है जो गरीबों को इंसान नही नहीं समझते मगर अब हर आदमी आत्म निर्भर हो गया है। अब वह समय नहीं रहा कि किसी आदमी का प्रयोग करो और छोड़ दो। ।इंसान को इंसानियत नहीं भूलनी चाहिए।

भारत के विरुद्ध आतंकी गतिविधियां : पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की चुनौती

भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है। समय-समय पर विभिन्न आतंकी संगठनों द्वारा देश की शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। हाल के दिनों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के मामले में लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किए जाने तथा दिल्ली एवं पंजाब से कई संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क भारत को अस्थिर करने की साजिशों में निरंतर सक्रिय हैं। यह स्थिति केवल सुरक्षा एजेंसियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

दिल्ली और पंजाब से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकियों का संबंध पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के मॉड्यूल से बताया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार इन लोगों का उद्देश्य देश के भीतर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना, हथियारों की तस्करी करना तथा युवाओं को कट्टरपंथ और हिंसा की ओर प्रेरित करना था। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी पंजाब, दिल्ली, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों में ऐसे मॉड्यूल पकड़े जा चुके हैं, जिनके तार पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों से जुड़े पाए गए हैं।

पाकिस्तान की धरती पर सक्रिय कई आतंकी संगठन वर्षों से भारत विरोधी गतिविधियों में लगे हुए हैं। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं, फिर भी उन्हें वहां प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण मिलता रहा है। भारत अनेक बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठा चुका है कि पाकिस्तान अपनी भूमि का उपयोग आतंकवादी प्रशिक्षण, वित्तपोषण और घुसपैठ के लिए होने से रोकने में विफल रहा है। यही कारण है कि विभिन्न आतंकी घटनाओं की जांच में अक्सर पाकिस्तानी नेटवर्क, हैंडलर या आतंकी संगठनों की भूमिका सामने आती है।

वर्तमान समय में आतंकवाद का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले जहां आतंकवादी संगठन सीमापार घुसपैठ और प्रत्यक्ष हमलों पर अधिक निर्भर रहते थे, वहीं अब वे सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। इंटरनेट के माध्यम से युवाओं तक पहुंच बनाना, उन्हें भड़काऊ सामग्री भेजना, कट्टरपंथी विचारधारा का प्रचार करना तथा उन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए प्रेरित करना एक नई चुनौती बनकर उभरा है। कई मामलों में पाया गया है कि युवा ऑनलाइन संपर्क के माध्यम से आतंकियों के प्रभाव में आए और बाद में अवैध गतिविधियों में शामिल हुए।

युवाओं को आतंकवाद के रास्ते पर ले जाने की यह प्रक्रिया अत्यंत चिंताजनक है। बेरोजगारी, सामाजिक असंतोष, भ्रामक प्रचार और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फैलाए जाने वाले दुष्प्रचार का लाभ उठाकर आतंकी संगठन कमजोर मानसिक स्थिति वाले युवाओं को निशाना बनाते हैं। इसलिए केवल सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज को भी जागरूक बनाने की आवश्यकता है। परिवार, शैक्षणिक संस्थान और सामाजिक संगठन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत की सुरक्षा एजेंसियां लगातार ऐसे मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर रही हैं। एनआईए, खुफिया ब्यूरो, राज्य पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों के कारण अनेक आतंकी साजिशों को समय रहते विफल किया गया है। हालिया गिरफ्तारियां भी इसी सतर्कता का परिणाम हैं। हालांकि केवल संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी आवश्यक है कि उन कारणों और नेटवर्कों की पहचान की जाए जिनके माध्यम से आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है। जब तक आतंकी ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक नए मॉड्यूल सामने आते रहेंगे।

सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से हथियार और नशीले पदार्थ भेजे जाने की घटनाएं भी गंभीर सुरक्षा चुनौती बन चुकी हैं। विशेष रूप से पंजाब और राजस्थान की सीमाओं पर कई बार ऐसे ड्रोन पकड़े गए हैं, जिनका उपयोग हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए किया जा रहा था। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक का उपयोग करके सुरक्षा व्यवस्थाओं को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए भारत को भी अपनी तकनीकी क्षमता और निगरानी प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाना होगा। आतंकवाद और नशीले पदार्थों की तस्करी के बीच संबंध भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। कई आतंकी नेटवर्क अवैध कारोबार से प्राप्त धन का उपयोग अपने संचालन और भर्ती गतिविधियों के लिए करते हैं। ड्रग्स की तस्करी न केवल समाज को कमजोर करती है, बल्कि आतंकवादी संगठनों के लिए आर्थिक संसाधन भी उपलब्ध कराती है। इसलिए आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल सुरक्षा का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का भी प्रश्न है। को अपनी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। इसके लिए आधुनिक तकनीक, बेहतर खुफिया समन्वय, सीमा प्रबंधन और साइबर निगरानी को प्राथमिकता देनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण और उन्नत निगरानी उपकरणों का उपयोग करके संदिग्ध गतिविधियों की पहचान अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकती है। साथ ही विभिन्न राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच सूचना साझाकरण को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के प्रमाण प्रस्तुत करना आवश्यक है ताकि वैश्विक दबाव बनाया जा सके। पिछले वर्षों में भारत ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है और कई देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृष्टिकोण का समर्थन भी किया है। यह प्रयास आगे भी जारी रहना चाहिए ताकि आतंकवादी संगठनों को वित्तीय और राजनीतिक समर्थन मिलने की संभावनाएं कम हों। संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को बढ़ावा देना भी समय की आवश्यकता है। आतंकवाद आज केवल किसी एक देश की समस्या नहीं रह गया है। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका मुकाबला सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। आतंकियों के वित्तीय स्त्रोतों पर रोक लगाना, उनके डिजिटल नेटवर्क पर निगरानी रखना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। सामाजिक स्तर पर राष्ट्रीय एकता और सद्भाव को मजबूत करना भी आतंकवाद के विरुद्ध प्रभावी हथियार है। आतंकवादी संगठन अक्सर समाज में विभाजन पैदा करने का प्रयास करते हैं ताकि उनका एजेंडा सफल हो सके। ऐसे में सभी नागरिकों का यह दायित्व है कि वे किसी भी प्रकार के उकसावे, अफवाह या भ्रामक प्रचार से बचें और देश की एकता को मजबूत करें। धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता भारत की शक्ति है और इसे कमजोर करने की हर कोशिश का लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से मुकाबला किया जाना चाहिए। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से लोगों को सही जानकारी देना, अफवाहों का खंडन करना और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी घृणा, कट्टरता और आतंकवाद से संबंधित सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

निष्कर्षत:, हाल की गिरफ्तारियां यह दर्शाती हैं कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क भारत के विरुद्ध अपनी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं। हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के कारण अनेक साजिशें विफल हो रही हैं, फिर भी चुनौती पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई बहुआयामी है, जिसमें सुरक्षा, कूटनीति, तकनीक, सामाजिक जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत को अपनी सुरक्षा क्षमताओं को और सशक्त बनाते हुए आतंकवाद के हर रूप का दृढ़ता से मुकाबला करना होगा। साथ ही विश्व समुदाय को भी यह समझना होगा कि आतंकवाद किसी एक देश की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की समस्या है। सामूहिक प्रयास, सतर्कता और राष्ट्रीय एकता के माध्यम से ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून: तैयारियाँ, चुनौतियाँ और आगे की राह

हिमाचल प्रदेश भारत के सबसे संवेदनशील पर्वतीय राज्यों में से एक है, जहाँ प्रत्येक वर्ष जून के अंत से सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है। राज्य में औसतन लगभग 700क्ष्1,300 मिमी वार्षिक वर्षा होती है, जिसमें लगभग 70क्ष्80त्न वर्षा मानसून के दौरान दर्ज की जाती है। यह वर्षा कृषि, बागवानी, जलविद्युत उत्पादन और पेयजल स्त्रोतों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन साथ ही भूस्खलन, बादल फटना, फ्लैश फ्लड, सड़क अवरोध और जन-धन की हानि जैसी प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बनती है।

वर्ष 2023 की विनाशकारी मानसूनी आपदा ने हिमाचल प्रदेश को हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान पहुँचाया तथा सैकड़ों लोगों की जान गई। इस अनुभव के बाद राज्य सरकार ने मानसून प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वर्ष 2026 के मानसून को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार, जिला प्रशासन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, लोक निर्माण विभाग , जल शक्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और बिजली बोर्ड ने व्यापक तैयारियाँ की हैं।

राज्य के सभी जिलों में जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं को अद्यतन किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर नियंत्रण कक्ष को 24म7 संचालित किया जा रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूस्खलन और बादल फटने की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का जोखिम मानचित्र तैयार किया है ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

लोक निर्माण विभाग ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर जेसीबी, पोकलेन, डोजर तथा अन्य मशीनरी पहले से तैनात कर दी है। हिमाचल प्रदेश में 40,000 किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क है, जिसका बड़ा हिस्सा पर्वतीय क्षेत्रों से होकर गुजरता है। भारी वर्षा के दौरान सड़कें शीघ्र बहाल करने के लिए मशीनरी और कर्मचारियों की अग्रिम तैनाती की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पतालों

और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयाँ, एम्बुलेंस तथा चिकित्सकीय दल तैयार रखे हैं। जल शक्ति विभाग पेयजल योजनाओं की नियमित निगरानी कर रहा है तथा जल स्त्रोतों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्लोरीनेशन और परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्युत बोर्ड ने बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मरों की पूर्व मरम्मत कर आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित बहाली की व्यवस्था की है। कृषि एवं बागवानी विभाग किसानों और बागवानों को जल निकासी, मृदा संरक्षण तथा फसल सुरक्षा संबंधी सलाह जारी कर रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमानों और चेतावनियों को मोबाइल संदेश, सोशल मीडिया और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से आम जनता तक पहुँचाया जा रहा है। पर्यटकों के लिए भी विशेष एडवाइजरी जारी की जाती है ताकि वे नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें।

इन तैयारियों के बावजूद हिमाचल प्रदेश के सामने कई गंभीर चुनौतियाँ हैं। राज्य की युवा एवं नाजुक पर्वतीय भू-आकृति, कमजोर चट्टानें तथा तीव्र ढालें भूस्खलन

विशाल कल्याण

की संभावना को बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण कम समय में अत्यधिक वर्षा की घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिससे बादल फटना और फ्लैश फ्लड जैसी आपदाएँ अधिक देखने को मिल रही हैं।

राज्य की प्रमुख नदियाँ-सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और यमुना की सहायक नदियाँ- भारी वर्षा के दौरान तेजी से उफान पर आ जाती हैं। पार्वती, तीर्थन, उहल तथा अन्य छोटी नदियाँ भी अचानक बाढ़ का रूप ले सकती हैं। इसके कारण नदी किनारे बसे गाँवों, पुलों और सड़कों को गंभीर खतरा उत्पन्न होता है।

अनियोजित शहरीकरण, नदी तटों पर अतिक्रमण, अवैज्ञानिक निर्माण और वनों की कटाई भी प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ा रहे हैं। मानसून के दौरान लाखों पर्यटक हिमाचल पहुँचते हैं, जिससे यातायात, बचाव कार्य और प्रशासन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वहीं, संचार सेवाओं और बिजली व्यवस्था के बाधित होने से राहत कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

कृषि और बागवानी क्षेत्र भी मानसून की अनिश्चितता से प्रभावित होते हैं। अत्यधिक वर्षा से मक्का, धान, सब्जियों तथा सेब, नाशपाती और अन्य फलों की फसलें नुकसान झेलती हैं। साथ ही दूषित पेयजल के कारण डायरिया, टाइफाइड और अन्य जलजनित रोग फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणाली, ड्रोन निगरानी, रियल-टाइम नदी जलस्तर मॉनिटरिंग, वैज्ञानिक भूमि उपयोग योजना, ढाल स्थिरीकरण, आपदा-प्रतिरोधी अवसंरचना तथा सामुदायिक भागीदारी को और मजबूत करने की आवश्यकता है। विद्यालयों, पंचायतों और स्थानीय समुदायों को नियमित मॉक ड्रिल तथा आपदा जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ना भी समय की मांग है।

निष्कर्षत:, हिमाचल प्रदेश ने मानसून 2026 के लिए प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर व्यापक तैयारियाँ की हैं। फिर भी जलवायु परिवर्तन, संवेदनशील भू-भाग, तीव्र वर्षा और अनियोजित विकास जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। यदि सरकार, वैज्ञानिक संस्थान, स्थानीय प्रशासन और नागरिक मिलकर पूर्व तैयारी, पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक योजना पर बल दें, तो मानसून से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है और हिमाचल प्रदेश को अधिक सुरक्षित एवं आपदा-प्रतिरोधी बनाया जा सकता है।

मुश्किलों के बीच निर्यात बढ़ाने की चुनौती

इस समय जब वैश्विक निर्यात की वृद्धि दर में कमी आती दिख रही है, तब भारत निर्यात बढ़ाने के साथ इस वर्ष निर्यात के ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बोर्ड आफ ट्रेड की बैठक में सभी राज्यों के औद्योगिक संगठनों से कहा कि सरकार द्वारा निर्यात की राह को आसान बनाया जा रहा है और भारत विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल एक लाख करोड़ डालर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात का लक्ष्य लगभग 530 अरब डालर (16-17 प्रतिशत वृद्धि) और सेवा निर्यात का लक्ष्य लगभग 470 अरब डालर (11-12 प्रतिशत वृद्धि) अनुमानित है।

पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात 863 अरब डालर था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वस्तु निर्यात में 15 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस समय सरकार निर्यात बढ़ाने की रणनीति के तहत निर्यातकों को विभिन्न लाभ दे रही है। सरकार छोटे उद्योगों के अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन का खर्च 3निर्यात संवर्धन मिशन के तहत उठाएगी।

उसने सतत टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल, परफार्मेंस टेक्सटाइल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों को भी चिह्नित किया है। जिन क्षेत्रों में भारत पहले से ही उल्लेखनीय रूप से निर्यात कर रहा है सरकार की नई रणनीति उन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने, तरजीह मिले हुए सेक्टर में निर्यात के विविधीकरण करने, गैर शुल्क बाधाएं कम करने तथा आपूर्ति से जुड़ी कमियों को दूर करने पर केंद्रित है।

यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, ओमान, मारीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), आस्ट्रेलिया आदि देशों के साथ भारत के तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों को हाल में पूरे देश में लागू की गईं चार नई श्रम संहिताएं अधिक लाभप्रद बना सकती हैं। नए श्रम कानूनों से सेवा निर्यात में भी वृद्धि होते हुए दिखाई देगी। यह बात अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नवीनतम सेवा निर्यात से संबंधित अध्ययन रिपोर्ट में भी रेखांकित हो रही है। इसमें कहा गया है कि हाल के दशकों में भारत से सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है। ये ऐसी सेवाएं हैं, जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है। साथ ही डिजिटल प्लेटफार्म, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क ने कई सेवाओं को व्यापार योग्य बना दिया है। जैसे-जैसे दूरी का महत्व कम होता जा रहा है और डिजिटल व्यापार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ रहा है। वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2004-05 में 1.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में करीब 4.3 प्रतिशत हो गई।

इस समय दुनिया के विकसित और विकासशील देश भारत के साथ कारोबार बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में भारत को निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यात के नए बाजार और निर्यात विविधता की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। विशेष रूप से चिह्नित किए गए नए देशों के निर्यात बाजारों में अपनी निर्यात पैठ बनाने के हरसंभव उपाय करने होंगे। वर्तमान में भारत से कुल निर्यात का अधिकांश भाग अमेरिका, यूएई, ब्रिटेन, सऊदी अरब और चीन जैसे कुछ प्रमुख देशों पर निर्भर है। अब ऐसे देशों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि किसी एक या कुछ देशों में आर्थिक सुस्ती का सीधा असर भारत पर न पड़े। अब पारंपरिक बाजारों के अलावा उत्तर-पूर्व एशिया और पूर्वी अफ्रीका जैसे नए उभरते क्षेत्रों तक निर्यात पहुंच बढ़ानी होगी।

निर्यात विविधीकरण पर भी ध्यान देना होगा। हमें निर्यात बढ़ाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ कई बातों पर ध्यान देना होगा। अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागने के बजाय भारत को मध्यम अवधि की राजकोषीय और बाह्य स्थिरता को सुरक्षित रखना होगा। लंबे समय से लंबित सुधारों को आगे बढ़ाना होगा। एआई जैसे उच्चस्तरीय क्षेत्रों में निवेश, मजबूत डिजिटल ढांचा और नियामकीय बाधाओं को बहुपक्षीय प्रयासों के माध्यम से आसान बनाना होगा, जो सीमाओं के पार सेवा निर्यात को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकें। निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन निर्यात पर लगाए गए एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता बढ़ाने और गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

उम्मीद करें कि विभिन्न देशों के साथ भारत के एफटीए और द्विपक्षीय व्यापार समझौते शीघ्रतापूर्वक आकार लेते हुए दिखाई देंगे। भारत निर्यात के नए बाजारों और निर्यात की विविधता से इस वर्ष निर्यात के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ डालर वस्तु निर्यात और एक लाख करोड़ डालर सेवा निर्यात का लक्ष्य प्राप्त करने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/ 2010/36540

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जुआ/सट्टा खेलने वाले आरोपियों पर कैथल पुलिस का शिकंजा

कैथल (कृष्ण गर्ग): 06 जुलाई। जुआ/सट्टा खेलने वाले आरोपियों पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी मुहिम दौरान जिला पुलिस द्वारा अलग अलग 4 मामलों में 8 आरोपियों को काबू कर लिया गया। जिनके कब्जे से 64090 रुपये नकदी बरामद हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना शहर पुलिस प्रभारी इंस्पेक्टर गीता की अगुवाई में एएसआई नरेंद्र सिंह व एचसी अजय कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर महादेव कालोनी कैथल में एक मकान पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर वहां ताश के पत्तों की मार्फत जुआ खेल रहे आरोपी महादेव कालोनी कैथल निवासी योगराज, सिरटा रोड़ कैथल निवासी चंद्र शेखर, सुंदरान मोहल्ला कैथल निवासी चंद्र,सर्राफा बाजार कैथल निवासी अमन व माता गेट कैथल निवासी अवतार सिंह को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के कब्जे से 104 ताश के पत्ते व 58570 रुपए बरामद हुए। दूसरे मामले में थाना कलायत पुलिस के एएसआई जसबीर सिंह की टीम द्वारा बाड़ी मोहल्ला कलायत में अपने मकान पर सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहे आरोपी बाड़ी मोहल्ला कलायत निवासी सोनू को काबू किया गया। जिसके कब्जे से 1560 रुपए बरामद हुए। तीसरे मामले में सीआईए कलायत पुलिस के एचसी बलराज सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर भट्ट कॉलोनी कलायत निवासी संजीव कुमार के मकान पर सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहे आरोपी वार्ड नं 9 कलायत निवासी संजीव कुमार को काबू किया गया। जिसके कब्जे से 1450 रुपए बरामद हुए। एक अन्य मामले में सीआईए-1 पुलिस के एचसी सतबीर सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर थाना कलायत क्षेत्र के गांव दुमाड़ा के कश्यप मोहल्ला में सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहे आरोपी गांव दुमाड़ा निवासी बिंद्र सिंह को काबू कर लिया। जिसके कब्जे से 2510 रुपये बरामद हुआ। सभी आरोपियों के खिलाफ अलग अलग थानों में मामले दर्ज करके पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, 7 जुलाई की संयुक्त कर्मचारी मोर्चा कन्वेंशन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का सर्वसम्मति से निर्णय

चंडीगढ़ (पुनित महाजन) – ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन एंड एम सी एम्प्लाइज एंड वर्कर्स की कार्यकारिणी (एग्जीक्यूटिव बॉडी) की बैठक को-कन्वीनर जगमोहन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों एवं लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संयुक्त कर्मचारी मोर्चा द्वारा 7 जुलाई को आयोजित की जा रही कन्वेंशन में ज्वाइंट एक्शन कमेटी पूरे उत्साह और बड़ी संख्या में भाग लेगी तथा कर्मचारियों की एकजुटता को और मजबूत करेगी। बैठक में जगमोहन सिंह, सुरमुख सिंह, राजा राम, कमल कुमार, कुलदीप सिंह, राम सिंह, छाँगा सिंह, रविंदर बिंदू, जसबीर सिंह, अश्वनी, सुरिंदर शर्मा, नरिंदर पाल सिंह,सतनाम सिंह, माम राज, रंजीत सिंह, बृजेश, रजिंदर सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक के अंत में सभी5 कर्मचारियों से अपील की गई कि वे 7 जुलाई को आयोजित संयुक्त कर्मचारी मोर्चा की कन्वेंशन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कर्मचारियों की एकता और अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करें।

आर्म्स एक्ट मामले में आरोपी गिरफ्तार, बटनदार चाकू बरामद

चंडीगढ़, 6 जुलाई (पुनित महाजन)- चंडीगढ़ पुलिस की इंडस्ट्रियल एरिया थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध बटनदार (बटन ऑपरेटेड) चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई 2026 को पुलिस पार्टी पीपी दरिया क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान गांव दरिया स्थित श्मशान घाट के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक बटनदार चाकू बरामद हुआ। आरोपी चाकू रखने संबंधी कोई वैध लाइसेंस या अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। इस संबंध में थाना इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़ में एफआईआर नंबर 63, दिनांक 05.07.2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25, 54 और 59 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संदीप कुमार (39 वर्ष), पुत्र राम जग सिंह, निवासी मकान नंबर 336/डी, गली नंबर 10, गांव दरिया, चंडीगढ़ के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में लिया गया। बरामद बटनदार चाकू को कब्जे में लेकर मामले की जांच पूरी की गई। बाद में आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी संदीप कुमार आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट तथा जुआ अधिनियम सहित विभिन्न मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र सेवा, त्याग और सिद्धांतों का प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

अंबाला की धरती का डॉ. श्यामा प्रसाद के जीवन से ऐतिहासिक संबंध,मुख्यमंत्री ने की घोषणा: साइंस सेंटर का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर होगा, प्रतिमा भी होगी स्थापित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
06 जुलाई (मुकेश डोलिया)

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र सेवा, त्याग और सिद्धांतों का प्रतीक है। उनकी जयंती केवल उन्हें स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने तथा नई पीढ़ी को उनके जीवन मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरणा लेने का अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अंबाला में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी 125 स्मरण पक्ष कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अंबाला में 85 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले साइंस सेंटर का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा जाएगा, साथ ही निर्माणाधीन शहीद स्मारक के नजदीक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, संसदीय बोर्ड की सदस्य श्रीमती सुधा यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले वर्ष से जुलाई 2027 तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दो वर्षीय जयंती समारोह मनाया जा रहा है। यह आयोजन उनके विचारों को देश के जन-जन और घर-घर तक पहुंचाने का महायज्ञ है तथा राष्ट्र की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व में ज्ञान, कर्म और राष्ट्रभक्ति की त्रिवेणी का अद्भुत संगम दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में जन्मे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को विद्वता और राष्ट्र सेवा की भावना विरासत में मिली थी। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बंगाल के प्रसिद्ध शिक्षाविद थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में डॉ. मुखर्जी कोलकाता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। बाद में वे संविधान सभा के प्रभावशाली सदस्यों में शामिल रहे तथा स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री का दायित्व भी संभाला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का राजनीतिक जीवन सत्ता की इच्छा से नहीं, बल्कि सेवा और सिद्धांतों के प्रति समर्पित था। जब देशहित और सिद्धांतों का प्रश्न आया तो उन्होंने 19 अप्रैल 1950 को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर से मुलाकात की और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ मिलकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो आज भारतीय जनता पार्टी का आधार है।

उन्होंने कहा कि अंबाला की धरती का डॉ. मुखर्जी के जीवन से ऐतिहासिक संबंध है। 8 मई 1953 को जब वे जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हुए तो अंबाला स्टेशन पहुंचकर उन्होंने तत्कालीन जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला को संदेश भेजा कि वे बिना परमिट जम्मू आ रहे हैं और वहां के हालात का अवलोकन कर शांति स्थापित करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रावी नदी के पुल पर उन्हें जम्मू-कश्मीर में प्रवेश से रोकने का सरकारी आदेश दिया गया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे राज्य में प्रवेश करने के लिए कटिबद्ध हैं। इसके बाद उन्होंने बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया, जहां उन्हें गिरफ्तार कर श्रीनगर के निकट नजरबंद कर दिया गया। नजरबंदी के दौरान उनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि यह बलिदान भारत की एकता और अखंडता के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक राष्ट्र में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि आज यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डॉ. मुखर्जी के उस संकल्प को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि हम मिलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम कर रहे है।

मेक इन इंडिया, नई शिक्षा नीति और आत्मनिर्भर भारत जैसे अनेक निर्णय डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विजन को आगे बढ़ाने वाले कदम= केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत के प्रणेता थे। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी विचारधारा को धरातल पर उतारा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना कर देश को एक मजबूत वैचारिक विकल्प दिया। आज उसी विचारधारा के आधार पर भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) देश के अधिकांश हिस्से में जनसेवा कर रहा है। श्री नड्डा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाकर उनके संकल्प को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने पूर्वी पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए शरणार्थियों को नागरिकता देने की बात कही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) लागू कर उनकी इस सोच को भी साकार किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया, रक्षा विनिर्माण, सेमीकंडक्टर निर्माण, नई शिक्षा नीति और आत्मनिर्भर भारत जैसे अनेक निर्णय डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विजन को आगे बढ़ाने वाले कदम हैं। नई शिक्षा नीति शिक्षा को सुलभ, किफायती, लचीला और मातृभाषा आधारित बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

हरियाणा के विकास रफ्तार की तारीफ की: केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रदेश की डबल इंजन सरकार और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ करते हुए विकास कार्यों को भी गिनवाया। उन्होंने हरियाणा में केंद्र सरकार की विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यमुनानगर में दीनबंधु छोटू राम तापीय विद्युत संयंत्र, द्वारका एक्सप्रेसवे, रेवाड़ी बाईपास, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, रेल परियोजनाएं तथा खरखौदा में मारुति सुजुकी का विशाल संयंत्र प्रदेश के विकास को नई गति दे रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि हरियाणा में पारदर्शी भर्ती व्यवस्था लागू की गई है और बिना पर्ची-बिना खर्ची के हजारों युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। महिलाओं के कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत ढांचे के विकास में भी राज्य सरकार उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उन्होंने लाडो लक्ष्मी योजना, जरूरतमंदों को 500 रुपये में मिलने वाले गैस सिलेंडर के साथ-साथ किसानों की एमएसपी पर खरीदी जा रही फसलों का भी किया। श्री नड्डा ने कहा कि प्रदेश में एम्स और कैंसर उपचार सुविधाओं का विस्तार स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव लेकर आया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया था। यदि उन्होंने उस समय आंदोलन नहीं किया होता तो आज पश्चिम बंगाल का अस्तित्व वर्तमान स्वरूप में संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि प्रत्येक नागरिक विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान दे तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा अंबाला स्थित साइंस सेंटर का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखने तथा उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा का स्वागत किया और इसके लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी।

एंटी नारकोटिक सैल द्वारा 1 किलो 510 ग्राम गांजा फूल पत्ती सहित आरोपी काबू

» प्रथम न्यूज । कैथल
06 जुलाई (कृष्ण गर्ग)

एक तरफ जहां पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा नशा ना करने बारे आमजन को जागरूक किया जा रहा है, वहीं पर पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी मुहिम तहत एंटी नारकोटिक सेल द्वारा थाना शहर क्षेत्र से एक नशा तस्कर को 1 किलो 510 ग्राम गांजा फूल पत्ती सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई जय भगवान की टीम रात्रिकालीन गश्त दौरान जाट धर्मशाला कैथल के पास मौजूद थी। सहयोगी सुत्रो से पुलिस को एक गुप्त जानकारी मिली कि गांव खेड़ी गुलाम अली हाल खनौरी बाईपास निवासी विक्रम काफी समय से नशीला पदार्थ गांजा फुल पत्ती बेचने का काम करता हैं। जो आज अभी गोपाल गौशाला कैथल के पास किसी को नशीला पदार्थ गांजा फूलपत्ती बेचने के लिए खड़ा हैं। जिसको उक्त स्थान पर दबिश देकर काबू किया जा सकता हैं। सूचना विश्वसनीय होने कारण पुलिस टीम द्वारा मुस्तैदी का परिचय देते हुए गोपाल धर्मशाला कैथल के पास दबिश दी गई जहाँ बताए हुलिए अनुसार एक व्यक्ति दिखाई दिया। जिसे पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध को काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान गांव खेड़ी गुलाम अली हाल खनौरी बाईपास निवासी विक्रम के रूप में हुई। जिसकी नियमानुसार कार्रवाई दौरान एईटीओ कैथल रोहित कुमार के समक्ष ली गई तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे में पॉलीथिन से 1 किलो 510 ग्राम गांजा फुल पत्ती बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई रोहताश सिंह द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा, जिससे पूछताछ की जा रही हैं।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से की शिष्टाचार भेंट

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
06 जुलाई (बृज मोहन)

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति (रजि.) के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट कर समिति द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधियों ने समाज सेवा के क्षेत्र में चल रही गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की।

रामेश्वर सैनी ने मुख्यमंत्री को बताया कि समिति पिछले कई वर्षों से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। समिति द्वारा नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। इसके अलावा निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की व्यवस्था की जाती है।

उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान समिति ने वैक्सीनेशन कैंप आयोजित कर लोगों को जागरूक करने और टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गर्मी के मौसम में राहगीरों के लिए ठंडे मीठे जल की छबील लगाने, कैंसर मरीजों को राशन उपलब्ध कराने तथा जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त दवाइयां देने जैसे अनेक समाजहित कार्य भी समिति द्वारा किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक संगठन समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समिति के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी तरह जनसेवा के कार्य जारी रखने के लिए शुभकामनाएं दीं।

चंडीगढ़ प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग में तैनात वरिष्ठ लेखा अधिकारी, ने परिवार समेत, लोगों को अंगदान की जागरूकता फैलाकर अपने लिवर ट्रांसप्लांट की 15वीं एनिवर्सरी मनाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
06 जुलाई (पुनीत महाजन)

ह्यलोग बर्थ एनिवर्सरी, मैरिज एनिवर्सरी तो सेलिब्रेट करते ही हैं। इसे यादगार बनाने के लिए भी हर तरह से प्रयास करते हैं। प्रवीण कुमार रतन, जोकि चंडीगढ़ प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग में वरिष्ठ लेखा अधिकारी तैनात हैं, ने अपनी लिवर डोनर पत्नी रूपा अरोड़ा, जोकि सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल 37 क्ष मैं बतौर अध्यापिका हैं, के साथ एक ऐसी एनिवर्सरी सेलिब्रेट की, जो बेहद खास और अलग थी। इसका कारण यह था कि यह सेलिब्रेशन बर्थ या मैरिज एनिवर्सरी का नहीं, बल्कि लिवर एनिवर्सरी का था, वह भी 15वीं लिवर एनिवर्सरी।

प्रवीण कुमार रतन ने बताया कि उनकी पत्नी रूपा अरोड़ा ने 5 जुलाई 2011 को अपने लिवर का 65 प्रतिशत हिस्सा दान कर उन्हें नया जीवन दिया। उस समय उनकी बेटी 8 वर्ष की थी। ट्रांसप्लांट के बाद 2014 में उनके बेटे का जन्म हुआ।

प्रवीण बताते हैं कि वे अपनी कहानी लोगों को सुनाकर प्रेरित करते हैं ताकि यह संदेश पहुंचे कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट के बाद भी व्यक्ति सामान्य और बेहतर जीवन जी सकता है।

मायूसी के उन दिनों में मेरे पास सिर्फ़ एक चीज़ थी-वक़्त। और वह भी ऐसा लगता था मानो ठहर गया हो। सांसें जैसे गिनती की रह गई हों, कभी भी विराम ले सकती थीं। रातें कटती नहीं थीं। नींद आंखों से कोसों दूर रहती थी, जैसे किसी धुंधली तस्वीर में सब कुछ ब्लर दिखता है-वैसी ही नहीं, मैं खुद वही धुंधली, असल तस्वीर बन गया था। हर दिन मैं एक टॉर्चर चैंबर से गुजरता था। भावनाएं रोज़ दस्तक देती थीं, खून हर दिन उबाल पर रहता था। मौत धीरे-धीरे पास आ रही थी- इतनी धीमी कि डर और गहरा हो जाए। मेरा परिवार और मैं रोज़ मरता था और फिर भी ज़िंदा रहता था।

मेरी ज़िंदगी अजीब हो गई थी-मानो मैं एक ऐसे कमरे में बंद था जिसमें न कोई रोशनदान था, न बाहर झांकने की कोई उम्मीद। बस अंधेरे में बैठकर वक़्त काटना ही मेरी नियति बन गई थी। हर सांस उधार लगती थी। डॉक्टरों ने स्पष्ट कर दिया था कि लिवर ट्रांसप्लांट के बिना जीवन बचाना कठिन है। लेकिन पत्नी रूपा अरोड़ा ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने जिगर का 65 प्रतिशत हिस्सा दान कर उन्हें नया जीवन दिया, ये शब्द हैं पी.के. रत्तन, के, जोकि चंडीगढ़ प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग में वरिष्ठ लेखा अधिकारी, तैनात हैं, जिनका 15 साल पहले 5 जुलाई 2011 को सफल लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था। आज वे न केवल जीवन का उत्सव मना रहे हैं, बल्कि हजारों लोगों के लिए प्रेरणा भी बन चुके हैं।

दूसरा जीवन मिला तो शिक्षा और समाज सेवा को बनाया लक्ष्य

प्रत्यारोपण के बाद पी. के. रत्तन ने हार मानने के बजाय स्वयं को नई पहचान दी। उन्होंने दो स्नातकोत्तर (Post Graduation) डिग्रियाँ प्राप्त कीं और अपने अनुभव को समाज के हित में समर्पित कर दिया।

उनकी पत्नी रूपा अरोड़ा, जो स्वयं जीवित लिवर दाता हैं, ने भी तीन स्नातकोत्तर डिग्रियाँ प्राप्त कर यह साबित किया कि अंगदान किसी की जिंदगी नहीं रोकता, बल्कि नई संभावनाओं के द्वार खोलता है।

विश्व ट्रांसप्लांट खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व

पी.के. रत्तन और उनकी पत्नी रूपा अरोड़ा ने वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश का गौरव बढ़ाया। एक लिवर प्रत्यारोपित व्यक्ति और जीवित लिवर दाता के रूप में उनकी सहभागिता ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि सफल प्रत्यारोपण के बाद व्यक्ति केवल जीवित ही नहीं रहता, बल्कि खेल, शिक्षा और समाज सेवा में भी नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

15 वर्षों का सफर-सिर्फ जीवित रहने का नहीं, प्रेरणा बनने का पी.के. रत्तन का कहना है-

मुझे दूसरा जीवन केवल अपने लिए नहीं मिला। यह जीवन समाज की सेवा, अंगदान जागरूकता और लोगों में आशा जगाने के लिए मिला है। वे आगे कहते हैं-स्वास्थ्य में समय निवेश करें, क्योंकि बीमारी आने के बाद समय और धन दोनों बहुत महंगे पड़ते हैं। अंगदान किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी कई लोगों को नया जीवन दे सकता है।

मिशन अंगदान बना जीवन का मिशन

आज दोनों पति-पत्नी मिशन अंगदान के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न मंचों पर अंगदान के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं और लगभग 14-15 लोगों को काउंसलिंग करके उनके सफल लिवर ट्रांसप्लांट में अपना योगदान डाल चुके हैं । उनका उद्देश्य है कि भारत में कोई भी मरीज केवल अंगों की कमी के कारण अपनी जान न गंवाए।

समाज के नाम संदेश

उन्होंने साबित कर दिया कि यह जिंदगी अपने लिए ही नहीं दूसरों के लिए भी हो सकती है। आज यह दंपति समाज के लिए इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है कि जिंदगी में गिरकर भी दोबारा खड़े हो सकते हैं और कुछ ना कुछ कर सकते हैं।आज अपने लिवर प्रत्यारोपण के 15 वर्ष पूरे होने पर पी.के. रत्तन और उनकी पत्नी रूपा अरोड़ा देशवासियों से अपील करते हैं- अंगदान का संकल्प लें।

आपका एक निर्णय कई परिवारों की खुशियां लौटा सकता है।अंगदान महादान है – क्योंकि किसी की अंतिम विदाई, किसी और की नई सुबह बन सकती है।

प्रवीण कुमार रतन ने कहा कि कई लोग ऑर्गन डोनेशन से डरते हैं, जबकि जिन लोगों को अंगों की आवश्यकता होती है वे लंबे समय तक इंतजार करते हैं या कई बार अपनी जान भी गंवा देते हैं। इस झिझक को दूर करने के लिए वे और उनकी पत्नी रूपा अरोड़ा सेमिनारों, मोबाइल माध्यमों और लोगों से सीधे मिलकर ऑर्गन डोनेशन के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य करते हैं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

भरमौर में बड़ा हादसा, चलती कार पर गिरा विशाल पत्थर; 14 वर्षीय किशोरी की मौत

भरमौर चंबा(एएम नाथ): जिला चंबा के भरमौर उपमंडल में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। हादसा ढकोग–बन्नी माता सड़क मार्ग पर उस समय हुआ, जब धर्मशाला के नड्डी क्षेत्र से श्रद्धालुओं का एक परिवार बन्नी माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहा था।

जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं की कार जैसे ही मार्ग के एक हिस्से से गुजर रही थी, तभी अचानक पहाड़ी से एक विशाल पत्थर लुढ़ककर वाहन पर आ गिरा। पत्थर के जोरदार प्रहार से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में 14 वर्षीय दीक्षिता गंभीर रूप से घायल हो गई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई तथा परिवार के सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है और स्थानीय लोगों ने मृतक किशोरी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

शिमला में संवाद भारत के पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार निंदनीयः शांति गौतम

» प्रथम न्यूज । बद्दी

06 जुलाई (गुरजीत सिंह)

शिमला में संवाद भारत के पत्रकारों के साथ कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस पदाधिकारी द्वारा प्रदेश सरकार के संरक्षण में जिस प्रकार की बदसलूकी और अभद्र व्यवहार किया गया है, वह अत्यंत निंदनीय एवं लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। मीडिया काउंसिल ऑफ जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शांति गौतम ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ माना जाता है। पत्रकारों का दायित्व निष्पक्ष रूप से जनता तक तथ्य और सच्चाई पहुँचाना है। यदि पत्रकारों को अपना कर्तव्य निभाने से रोका जाता है या उनके साथ भय एवं दबाव का वातावरण बनाया जाता है, तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। गौतम ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच करवाई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान और स्वतंत्र पत्रकारिता की सुरक्षा प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी है। किसी भी पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार या उत्पीड़न किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

आए दिन बिजली के कटों से लोग परेशान

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– ग्राम पंचायत बड़गांव के लोग आजकल बिजली के कट्टों से परेशान हो गए हैं। आए दिन बिजली का कट लगना आम बात हो गई है। बड़ागांव के रडोह मैं आज दूसरे दिन भी बिजली गुल है। पिछले कल पूरा दिन और रात को बिजली गुल रही जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ । दिन तो बिना बिजली के कट जाता है। परंतु रात को ना तो अंदर बैठ सकते हैं ना ही बाहर। एक तो गर्मी का माहौल है ऊपर से मच्छरों की भरमार है। वहीं दूसरी और जिन दुकानदारों का कार्य बिजली से ही चलता है उनको भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विजय कुमार, फिरोज खान, राकेश कुमार, सुभाष चंद, यशपाल, समा, निशु, रजनी, सुनिल, नवीन, नरेश, राजेश आदि ने बताया कि आए दिन बिना मौसम खराब के भी बिजली के कट लग रहे हैं। जिससे आम जन जीवन प्रभावित हो रहा है और इस समय गर्मी का मौसम है। जिस कारण बिना बिजली के एक पल भी रहना मुश्किल होता है परंतु इन कटो की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि बिजली बिल अच्छे खासे आ रहे हैं। और अगर कहीं 5:00 बजे के बाद बिजली गुल हो जाए तो उसको ठीक करने के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ता है। अत: विभाग से गुजारिश है कि इन बिजली के कटों को एकदम ना लगाया जाए। ओर 5 बजे के बाद भी बिजली को ठीक करने की हर संभव कोशिश की जाए ताकि रात को बिना बिजली के होने बाली दिकतों से निजात मिल सके। वहीं बरठीं विद्युत विभाग से जेई संजीव ने बताया कि 33 केवी की दिक्कत चली हुई है। जो ठीक हो जाएगी ओर बडगांव के रडोह में जो फॉल्ट चला था उसको आज ठीक कर दिया जाएगा। शेष 5 बजे तक ड्यूटी टाइम होता है परंतु उसके बावजूद भी अगर कोई छोटी मोटी बिजली की समस्या होती है तो उसको भी 5 बजे के बाद ठीक करने की कोशिश की जाती है।

धाम और धूमधाम के बाद शिक्षा मंत्री को स्कूल उद्घाटन से रोकना ही सुक्खू सरकार का व्यवस्था परिवर्तन : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जुलाई (बी.शर्मा)

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि एक तरफ मंडी के द्रंग विधानसभा क्षेत्र के देयोरी में किराये के चार कमरों में सात कक्षाएं लग रही हैं। दो नालों के बीच बच्चे जान हथेली पर रखकर शिक्षा लेने को मजबूर हैं। दूसरी तरफ स्कूल का बहुमंजिला भवन तैयार होने के बाद भी सात महीनों से दिव्य मुहूर्त का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा मंत्री ने बच्चों की समस्याओं और अभिभावकों की मांग को ध्यान में रखते हुए धाम और पूरे धूमधाम से उस विद्यालय का उद्घाटन करना चाहा तो राजधानी से फोन गया कि आप उस विद्यालय का उद्घाटन नहीं कर सकते, रुक जाइए। कार्यक्रम रोक दीजिए।लोग इकट्ठा हो चुके थे।सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ धाम का भी इंतजाम था।आखिरकार कार्यक्रम रोक दिया गया। मंत्री जी के नाम की उद्घाटन पट्टिका भी लग गई थी, बस उससे पर्दा हटाया जाना बाकी था। जिसे अधिकारियों द्वारा उखड़वा दिया गया। व्यवस्था परिवर्तन की सरकार में एक शिक्षा मंत्री स्कूल भवन का भी उद्घाटन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुनने में आ रहा है कि सरकार अपने नंबर बढ़ाने के लिए आलाकमान की नेता प्रियंका गांधी से इस भवन का उद्घाटन करवाना चाह रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सत्ता में आते ही सुक्खू सरकार ने मिशन मोड पर भाजपा सरकार में करवाए गए कार्यों पर लगी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की पट्टिकाएं उखड़वाने का काम किया, क्योंकि सरकार के पास बताने के लिए अपनी कोई बड़ी उपलब्धि नहीं थी।

अब सरकार विपक्षी नेताओं की पट्टिकाएं उखाड़ते–उखाड़ते अपने ही मंत्रियों की पट्टिकाएं उखड़वा रही है। उन्होंने कहा कि इस अधूरे रह गए उद्घाटन समारोह में सरकार और प्रशासन द्वारा स्थानीय भाजपा विधायक को भी नहीं बुलाया गया, जबकि मुख्यमंत्री कई बार यह आश्वासन दे चुके हैं कि ऐसे मामलों में स्थानीय विधायक को बुलाया जाएगा, चाहे वह विपक्ष से ही क्यों न हो। लेकिन जब मुख्यमंत्री अपने ही मंत्री को उद्घाटन से रोक रहे हैं तो विपक्षी विधायकों के सम्मान की उम्मीद उनसे करना बेईमानी है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से सुक्खू सरकार ने एक झटके में 2000 से ज्यादा स्कूल बंद कर दिए। स्कूलों को बंद करने और उन्हें मर्ज करने का सिलसिला अभी भी लगातार चल रहा है। लेकिन एक विद्यालय भवन के उद्घाटन के लिए राजनीति हो रही है, जबकि वहां पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चे किराये के मकान में दो नालों के बीच पढ़ाई करने को विवश हैं और स्कूल का भवन पिछले सात महीनों से किसी वीआईपी नेता द्वारा उद्घाटन होने का मुहूर्त देख रहा है। उन्होंने कहा कि जिन कारणों से शिक्षा मंत्री को उद्घाटन करने से रोकने की बात सामने आ रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण और हास्यास्पद है, क्योंकि सुक्खू सरकार अपने नंबर बढ़ाने के लिए स्कूल भवन के उद्घाटन हेतु दिल्ली दरबार से कांग्रेस के महासचिव प्रियंका गांधी को बुलाना चाहती है, लेकिन उन्हें समय नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अब देखना यह है कि सुक्खू सरकार को उस बड़े नेता से उद्घाटन का समय कब मिलता है और खतरे के बीच पढ़ाई कर रहे छात्रों को नए भवन में जाने का अवसर कब मिल पाता है।

सड़कें ग्रामीण क्षेत्र के विकास में निभाती है अहम भूमिका - संजय अवस्थी

सोलन, (बी. शर्मा)– अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि सड़कें विकास की जीवन रेखा होती है और प्रत्येक ग्राम पंचायत तक बेहतर सड़क नेटवर्क पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत रौड़ी में 15 लाख रुपए की स्वीकृत राशि से रौड़ी से मीरा महाजन गौशाला तक एम्बुलेंस मार्ग के निर्माण कार्य की आधारशिला रखने के उपरांत जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे।

संजय अवस्थी ने कहा कि सड़कें ग्रामीण क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाती है। ग्रामीण क्षेत्र में व्यापारिक तथा आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए भी सड़कें आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिकी को मज़बूत करने के लिए विभिन्न सकारात्मक कदम उठाए गए है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उगाई जाने वाली हल्दी के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 90 रुपए प्रति किलो से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलो किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पूरे देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य में इतनी बढ़ौतरी करने वाला पहला राज्य है। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

विधायक ने एम्बुलैंस मार्ग डुगली के सुधारीकरण व मुरम्मत के लिए 03 लाख रुपए तथा अम्बुजा सीमेंट आउट गेट रौड़ी से चलाई गांव तक एम्बुलैंस मार्ग के निर्माण के लिए 03 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने फाउंटेन युवक मण्डल के भवन निर्माण के लिए औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत 02 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

संजय अवस्थी ने महिला मण्डल रौड़ी, खाता और बागा को 11–11 हज़ार रुपए व फाउंटेन यूथ क्लब रौड़ी को 11 हज़ार रुपए देने की घोषणा की।

इस अवसर पर दी–सोलन ज़िला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ सीमित के अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर, पंचायत समिति सदस्य संगीता सोनी, ग्राम पंचायत रौड़ी की प्रधान मधुबाला, ग्राम पंचायत दाड़लाघाट के प्रधान श्याम चौधरी, ग्राम पंचायत रौड़ी के उप प्रधान मदन शर्मा, अम्बुजा सीमेंट लिमिटेड के यूनिट हेड सुनील चौधरी, अम्बुजा सीमेंट फाउंडेशन के प्रबंधक संजय शर्मा, बाघल लैंड लूजर ट्रक ओपरेटर सोसायटी दाड़लाघाट के प्रधान जगदीश ठाकुर, अम्बुजा–दाड़ला–कशलोग–माँगू परिवहन सहकारी सभा सीमित दाड़लाघाट के प्रधान वेद प्रकाश शुक्ला, एसडीटीओ ट्रांसपोर्ट सोसायटी दाड़लाघाट के प्रधान राम किशन बंसल, कांग्रेस पार्टी के संजय ठाकुर, मनोज गौतम, राजेंद्र पंवर, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड अर्की के अधिशाषी अभियंता संदीप कुमार, जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता विवेक कटोच, लोक निर्माण विभाग अर्की के सहायक अभियंता बलीराम कश्यप विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

जिला के भाखड़ा बांध विस्थापितों के लिए सिरसा हरियाणा में प्लाटों का हुआ आवंटन

भाखड़ा बांध विस्थापित एक माह के भीतर उपायुक्त रिसेटलमैंट फतेहाबाद हरियाणा में दर्ज करवा सकते हैं आपत्ति

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

06 जुलाई (धर्मपाल)

उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि भाखड़ा बांध विस्थापितों के लिए हरियाणा के गांव देसू जोधां तहसील डबवाली, जिला सिरसा में माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशों के तहत प्लाटों का आवंटन कर दिया गया है।इस सम्बन्ध में यदि किसी अलाटी भाखड़ा बांध विस्थापित को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह एक माह के भीतर कार्यालय उपायुक्त रिसेटलमैंट फतेहाबाद, हरियाणा में दर्ज करवा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि प्लाट आवंटन की अवधि एक माह से अधिक हो जाने पर अंतिम अलाटमैंट की प्रक्रिया को पूर्ण कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि गांव देसू जोधां, तहसील डबवाली, जिला सिरसा हरियाणा में 27 भाखड़ा बांध विस्थापितों को प्लाटों का आवंटन किया गया है।जिनमें बड़गांव, तहसील घुमारवीं, बिलासपुर के आज्ञाराम पुत्र हरया राम, इन्द्र पुत्र काहना, चंदू पुत्र काहना, दुर्गा पुत्र काहना, सीता राम पुत्र काहना, अनंत राम पुत्र लाभू, बाली राम पुत्र लाभू, बीरबल पुत्र लाभू, संतराम पुत्र लाभू, खजाना राम पुत्र जंगी, प्रभदयाल पुत्र सुदामा, रामदयाल पुत्र सुदामा, गंगा राम पुत्र सुदामा जबकि ग्राम पंचायत डोहक, तहसील घुमारवीं बिलासपुर के ओम प्रकाश पुत्र सीरी राम, परस राम पुत्र सीरी राम, ज्योति प्रकार पुत्र श्रीराम, भगत राम पुत्र कांशी राम, प्रभा पुत्र सुबा तथा सीता राम पुत्र मुंशी राम शामिल है।

इसी तरह ग्राम बहल फतुआ तहसील घुमारवीं के अछरु पुत्र बान्ना, गांव कथोन घुमारवीं के खजाना पुत्र भोंगी, गांव कुटहेडा घुमारवीं के बलदेव पुत्र हमीरा, रतन सिंह पुत्र कपूरा तथा शेर सिंह पुत्र कपूरा जबकि गांव मटला घुमारवीं के शिवाला चेला गंगागिर मार्फत पुरूषार्थी कमेटी भाखड़ा औस्टीज देसू जोधां शामिल है। इसके अतिरिक्त दो विस्थापित जिला ऊना से सम्बन्धित है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में बड़ा गोलमाल, पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए सरकार : राकेश जमवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जुलाई (बी.शर्मा)

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जमवाल ने हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि बोर्ड में प्रशासनिक निर्णयों, नियुक्तियों और कंसेंट (अनुमतियां) जारी करने की प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं, जिनका उत्तर प्रदेश सरकार को देना चाहिए।

राकेश जमवाल ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में जिस अधिकारी को सदस्य सचिव (मेंबर सेक्रेटरी) की जिम्मेदारी दी गई है, उसी व्यवस्था में अपीलीय प्रक्रिया को भी प्रभावित करने की स्थिति दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में निर्णय लेने वाला अधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी अलग–अलग होने चाहिए, ताकि पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। यदि ऐसा नहीं हो रहा है तो यह गंभीर चिंता का विषय है और इसकी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड में उद्योगों को जारी होने वाले कंसेंट और अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक पत्राचार का संचालन भी कुछ चुनिंदा अधिकारियों के माध्यम से किया जा रहा है। इससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इन निर्णयों का अधिकार किसके पास है और क्या सभी प्रक्रियाओं का पालन नियमों के अनुरूप किया गया है। राकेश जमवाल ने कहा कि यदि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप है तो सरकार को स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। जांच से ही यह स्पष्ट होगा कि कहीं प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग या भ्रष्टाचार तो नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि भाजपा की मांग है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में हुई नियुक्तियों, सदस्य सचिव से जुड़े प्रशासनिक निर्णयों, कंसेंट जारी करने की प्रक्रिया तथा अपीलीय व्यवस्था की विस्तृत जांच कराई जाए। यदि किसी स्तर पर अनियमितता या भ्रष्टाचार सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

राकेश जमवाल ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पारदर्शिता और सुशासन के बड़े–बड़े दावे करती है, लेकिन यदि इस प्रकार के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं तो सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह तथ्यों को सार्वजनिक करे और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे। भाजपा प्रदेश के हितों और प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए ऐसे मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी।

जिला शिमला के अनुसूचित जाति बहुल पंचायतों के लोगों को किया गया कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जुलाई (बी.शर्मा)

प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज जिला शिमला की विभिन्न अनुसूचित जाति बहुल ग्राम पंचायतों में सूचना एवं जन संपर्क विभाग के अनुमोदित सांस्कृतिक दलों द्वारा विशेष प्रचार अभियान किया गया और लोगों को नुक्कड़ नाटक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जन कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

भगवती संस्कृतिक मंडल शंठा चौपाल द्वारा ग्राम पंचायत नेरवा के गांव धारटुआ तथा ग्राम पंचायत केदी के गांव बटेवड़ी, शिवरंजनी सांस्कृतिक दल बलग के कलाकारों ने ग्राम पंचायत बलग के गांव कोट तथा ग्राम पंचायत जैस और हिम आधार कला मंच नालदेहरा द्वारा ग्राम पंचायत पुजारली–3 तथा पुजारली बाजार में गीत–संगीत और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को प्रदेश सर्कार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं के लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर कलाकारों ने बताया कि ऐसे अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग जिनकी वार्षिक आय 50 हज़ार रूपए से कम है को अनुवर्ती कार्यक्रम के तहत सिलाई मशीन, बढई व लोहार के कार्य के लिए औजार प्रदान किये जाते हैं और स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत अनुसूचित जाती/जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को 1 लाख 50 हज़ार रूपए मकान निर्माण के लिए दिए जाते हैं। इसके आलावा बीपीएल व 2 लाख रूपए की वार्षिक आय से कम परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क पीजीडीसीए/डीटीपी का एक वर्ष का कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है । और अंतरजातीय विवाह पुरस्कार योजना के तहत 02 लाख रूपए की राशि प्रदान की जाती है। इस दौरान विकलांग छात्रवृति योजना के तहत ऐसे अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभिभावक जिनकी विकलांगता प्रतिशतता जिला विकलांगता बोर्ड द्वारा 40 प्रतिशत या इससे अधिक आंकी गई हो को 1150 रूपए प्रतिमाह एवं 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों को 1700 रूपए प्रतिमाह प्रदान किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त, कलाकारों द्वारा नशा मुक्ति, एंटी चिट्टा और सामाजिक जागरूकता पर भी विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पुजारली–3 की प्रधान हीना कालटा व उपप्रधान रछपाल शर्मा, जैस ग्राम पंचायत के प्रधान भूपेंद्र हेट्टा व बलग पंचायत के उपप्रधान विकास सहित विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के प्रधान उपस्थित रहे।

विद्यार्थी मानवीय मूल्यों को अपनाएं और नशे व सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचे : विक्रमादित्य सिंह

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जुलाई (बी.शर्मा)

14वें दलाई लामा के 91वें जन्मदिवस के अवसर पर सोमवार को छोटा शिमला स्थित तिब्बतन स्कूल परिसर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री ने कहा कि समाज में बढ़ते अपराध, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा तथा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के गलत और गैर–जिम्मेदाराना उपयोग के कारण समाज में अनेक नकारात्मक प्रवृत्तियां जन्म ले रही हैं, जिनका दुष्प्रभाव आज पूरे देश और हिमाचल प्रदेश में देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय ही वह स्थान है जहां बच्चों के व्यक्तित्व, सोच और जीवन मूल्यों की नींव रखी जाती है। इसलिए शिक्षकों और अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों, साइबर जागरूकता तथा नैतिक मूल्यों के प्रति समय–समय पर जागरूक करें। उन्होंने विद्यालय प्रशासन से विद्यार्थियों के बीच नियमित जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया ताकि वह सही और गलत में अंतर समझ सकें।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रदेश में रासायनिक नशे, शराब तथा अन्य मादक पदार्थों का बढ़ता प्रचलन युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने हाल ही में शिमला के एक विद्यालय में हुई गोलीबारी की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरे समाज के लिए चिंता का विषय हैं और इनसे सबक लेते हुए युवाओं को सही दिशा देना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि विकास केवल सड़कों, भवनों, पर्यटन और आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक विकास को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। आज यह समझना आवश्यक है कि विद्यार्थियों के मन में क्या चल रहा है और वह किन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। यदि उनके मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय मूल्यों की अनदेखी की गई तो भौतिक विकास के बावजूद समाज मानवीय संवेदनाओं से रिक्त हो जाएगा। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए सड़कों और आधारभूत ढांचे का निर्माण आवश्यक है, लेकिन यह विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई जनहानि, घरों का क्षतिग्रस्त होना तथा अनेक परिवारों का विस्थापन केवल प्राकृतिक घटना नहीं है, बल्कि इसके पीछे वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थित विकास प्रक्रिया

और पर्यावरणीय असंतुलन भी एक प्रमुख कारण है।इसलिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर से ही पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र और वनों के महत्व के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। हिमाचल प्रदेश का लगभग 78 प्रतिशत भू–भाग वन भूमि के अंतर्गत आता है, किंतु वास्तविक वन आच्छादन लगभग 35 से 36 प्रतिशत ही है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधारोपण कर वन संपदा को समृद्ध बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया और हेपेटाइटिस–बी स्क्रीनिंग अभियान का शुभारंभ किया। कैबिनेट मंत्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करने वाले दलों को 31 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों एवं विभिन्न तिब्बती शिविरों के कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्यातिथि को टॉपी, खतक और थंका पेंटिग देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विशेष अतिथि को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में तिब्बती समुदाय के प्रतिनिधियों, विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, विद्यार्थियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। दलाईलामा की वजह से हिमाचल को मिली दुनिया में अलग पहचान विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि विश्व के अनेक देशों के वर्तमान एवं पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, नीति–निर्माता, अंतरराष्ट्रीय हस्तियां तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व नियमित रूप से धर्मशाला पहुंचकर दलाई लामा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं तथा उनके करुणा और मानवता के मार्ग से प्रेरणा लेते हैं। यह हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। इस वजह से आज हिमाचल को दुनिया भर में दलाईलामा के कारण अलग पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा दलाई लामा को भारत में शरण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय मानवता और भारतीय संस्कृति की उदार परंपरा का प्रतीक है।

निर्वासन के बाद धर्मशाला को अपना निवास बनाने के साथ ही यह नगर आज विश्वभर में लिटिल ल्हासा के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने पिता एवं हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह और दलाई लामा के बीच रहे विशेष आत्मीय संबंधों को स्मरण करते हुए कहा कि उनका परिवार स्वयं को सौभाग्यशाली मानता है कि वर्ष 2017 में धर्मशाला में स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की जीवनी का लोकार्पण दलाई लामा के करकमलों द्वारा किया गया था। उस अवसर पर उपस्थित रहना उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि हमें दलाईलामा के बताए मार्गों पर चलते हुए मानवता के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के तौर पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलसचिव ज्ञान सागर नेगी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सामाजिक सद्भाव और मानवीय मूल्यों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि परम पावन दलाई लामा का स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन उनके परिवार के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वह दलाई लामा के करुणा, अहिंसा, शांति, सहिष्णुता और मानवता के संदेश को अपने जीवन में अपनाकर समाज में सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लें।

दलाई लामा का जन्मदिन केक काटकर मनाया

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ। इसके उपरांत दलाई लामा के चित्र का गोल्डन थ्रोन पर स्वागत किया गया तथा तिब्बती शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में तिब्बती एवं भारतीय राष्ट्रगान के साथ विद्यार्थियों ने जन्मदिवस गीत प्रस्तुत किया। तिब्बती समुदाय के प्रतिनिधियों ने परम पावन दलाई लामा के चित्र पर पारंपरिक धार्मिक अर्पण किए तथा सम्मान स्वरूप खतक भेंट किए। समारोह के दौरान तिब्बती प्रशासन तथा तिब्बती संसद–इन–एक्साइल के संदेशों का वाचन किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं जन्मदिवस केक काटकर परम पावन दलाई लामा की दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। तिब्बती समुदाय की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए BCCI ने अचानक बदल दी टीम, 'खूंखार' ऑलराउंडर को किया शामिल

भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। इसके बाद दोनों टीमें 3 मैचों की वनडे सीरीज में एक-दूसरे का सामना करने वाली हैं। सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने वनडे टीम में बड़ा बदलाव किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में अब शिवम दुबे को शामिल कर लिया गया है। दुबे भारत के लिए लगातार टी20 इंटरनेशनल में खेल रहे हैं लेकिन वनडे मैचों में उन्हें अधिक मौका नहीं मिलता है। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ अब वे खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं। मौजूदा समय में वे टी20 सीरीज में खेल रहे हैं और अब वनडे सीरीज में टीम के साथ रहेंगे।

शिवम दुबे को वनडे टीम में मिली जगह

दरअसल, नीतिश कुमार रेड्डी चोट की वजह से इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। उन्हें वनडे और टी20 टीम में शामिल किया गया था लेकिन चोट की वजह से नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में उनके रिप्लेसमेंट के रूप में दुबे को टीम में शामिल किया गया है। दिग्गज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पहले ही चोट से जूझ रहे हैं और फिर रेड्डी भी बाहर हो गए। ऐसे में बीसीसीआई ने दुबे को टीम में शामिल करने का फैसला किया।

बोर्ड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान किया। इसी के साथ रेड्डी का जगह वनडे टीम में दुबे को शामिल करने की जानकारी दी। बोर्ड ने प्रेस रिलीज में लिखा, इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए सेलेक्शन कमेटी ने नीतिश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल करने का फैसला किया है।

दुबे का वनडे करियर

दुबे भारत के लिए टी20 टीम में लगातार खेल रहे हैं लेकिन उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे मैच 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। उन्होंने भारत के लिए अब तक 4 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उनके बल्ले से 43 रन निकले हैं। इस दौरान उन्होंने एक विकेट भी हासिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, शिवम दुबे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान, संजू सैमसन हुए बाहर; 2 नए खिलाड़ियों की हुई एंट्री

जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान हो गया है। टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करते हुए दिखाई देंगे। हालांकि, भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जीत दिलाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

संजू इस समय भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं, जहां उन्हें दूसरे मुकाबले से ड्रॉप कर दिया गया था। सैमसन लगातार तीन मैचों से फ्लॉप हुए थे और इसके बाद उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़ा। उनकी जगह टीम में रिंकू सिंह की वापसी हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है।

भारत को विश्व कप जिताने वाले संजू सैमसन हुए ड्रॉप

संजू सैमसन ने आयरलैंड के खिलाफ दो मैच और फिर इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में रन नहीं बनाए। इसके बाद उन्हें टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। सैमसन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे और उसके बाद वे भारत के लिए सिर्फ तीन मैच खेल सके। इन तीन मैचों में संजू का स्कोर 5, 0 और 1 रहा। इसके बाद उन्हें जिम्बाब्वे दौरे से टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। उनकी जगह रिंकू सिंह की वापसी हुई है।

प्रभसिमरन सिंह और अशोक शर्मा को पहली बार मौका

आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले प्रभसिमरन सिंह को टीम इंडिया में पहली बार शामिल किया गया है। दूसरी तरफ आईपीएल 2026 में सबसे तेज गेंद फेंकने वाले अशोक शर्मा को भी टीम में जगह मिली है। वे आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हैं। इसके अलावा मयंक यादव की भी टीम में वापसी हुई है। मयंक चोट की वजह से लगातार क्रिकेट से दूर हैं लेकिन अब वे जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हुए दिखाई देंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यांश शेडगे, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 के लिए किया अपनी प्लेइंग 11 का एलान, भारत को गहरा जख्म देना चाहेंगे अंग्रेज

इंग्लैंड ने सोमवार को भारत के खिलाफ तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला ट्रेंट ब्रिज में खेला जाएगा।

हैरी ब्रूक के नेतृत्व वाली इंग्लैंड ने तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया है। इसका मतलब है कि जिन 11 खिलाड़ियों ने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में मैदान संभाला था, वो ही तीसरे मैच में भी अपना दमखम दिखाते हुए नजर आएंगे।

इंग्लैंड को बढ़त - याद हो कि भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद हो गया था। इसके बाद इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में टीम इंडिया को 6 गेंदें शेष रहते चार विकेट से पटखनी दी थी। इस तरह मेजबान टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। अब उसकी कोशिश जीत के सिलसिले को बरकरार रखने की होगी।

इंग्लैंड की तीसरे टी20 आई के लिए प्लेइंग 11

फिल सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बेंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद और जोश टंग।

भारत करना चाहेगा वापसी

वहीं, श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम नॉटिंघम में दमदार वापसी करना चाहेगी। भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले में संजू सैमसन को बाहर बैठाकर वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया था। मेहमान टीम तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर करने की कोशिश करेगी।.

पंजाब सरकार राज्य को नशे के दलदल से निकालने के लिए संकल्पबद्ध : डॉ. अर्शदीप सिंह

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) : युद्ध नशे विरुद्ध अभियान के जिला प्रभारी गुरदासपुर डॉ. अर्शदीप सिंह द्वारा घुमान में जिले के भीतर नशा मुक्ति मोर्चा के तहत चलाए जा रहे व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी साझा की। इस मौके पर उनके साथ अमृतपाल सिंह सोही (हलका सोशल मीडिया वाइस कोऑर्डिनेटर), सरपंच मुख्तार सिंह, सुखजिंदर सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष, श्री हरगोबिंदपुर साहिब) और मनदीप सिंह (वाइस प्रभारी, युद्ध नशे विरुद्ध) भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डॉ. अर्शदीप सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए जमीनी स्तर पर मुहिम चलाई जा रही है। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा हमें यह बताते हुए बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि आम जनता के सक्रिय सहयोग से जिले के करीब 80 प्रतिशत गाँव पूरी तरह से नशामुक्त हो चुके हैं। आने वाले दिनों में इस मुहिम को और तेज कर पूरे पंजाब को नशामुक्त बनाया जाएगा।

नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई; बनेगा रंगला पंजाब

जिला प्रभारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशा तस्करों और इस काले कारोबार से जुड़े मगरमच्छों के खिलाफ अत्यंत सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। नशा मुक्ति मोर्चा की टीमें लगातार गाँवों का दौरा कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रही हैं, जहाँ उन्हें ग्रामीणों का भारी प्यार और सत्कार मिल रहा है। पंजाब के लोग इस बात से बेहद खुश हैं कि राज्य के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने नशे के खिलाफ इतनी बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की है। जनता के इसी सहयोग से पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह राज्य की पहली ऐसी सरकार है जिसने निरंतर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी है और ग्राउंड लेवल पर जाकर हर वर्ग को सीधे तौर पर सरकारी सुविधाएं व लाभ प्रदान किए हैं।

सरपंचों के लिए 10,000 रुपये प्रति माह मानभत्ते का ऐतिहासिक ऐलान : पंजाब सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों का जिक्र करते हुए डॉ. अर्शदीप सिंह ने एक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि बीते दिनों पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा एक ऐतिहासिक घोषणा की गई है, जिसके तहत 15 अगस्त 2026 के बाद से गाँवों के सरपंचों को 10,000 रुपये प्रति माह मानभत्ता दिया जाएगा।

उन्होंने अंत में कहा कि भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार के जन-हितैषी फैसलों से सूबे के लोग पूरी तरह संतुष्ट व खुश हैं, और आने वाले समय में भी लोग उनके हक में खड़े होकर पंजाब की कमान उनके हाथों में ही सौंपेंगे।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर 2026 को न्यायिक परिसर में होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

06 जुलाई (बृज मोहन)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर 2026 को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी इस नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर 2026 को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का कोई

मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण कर सकता है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। इन राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है।

बीड कालवा फुटबॉल लीग का रेड बुल्ट्स टीम ने जीता खिताब

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

06 जुलाई (बृज मोहन)

जिला प्रशासन और आईएसजीईसी हैवी इंजीनियरिंग कंपनी के सहयोग से गांव बीड कालवा में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल लीग-2026 में रेड बुल्ट्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में द सिक्सटीन टीम रनर अप रही। राजीव गांधी खेल मैदान बीड कालवा में आयोजित इन रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। समापन समारोह विजेता रेड बुल्ट्स, रनर अप द सिक्सटीन, बेस्ट गोलकीपर नमन, हाई स्कोरर स्नाह और बेस्ट प्लेयर आर्यन को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस लीग के पहले दिन उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ चार टीमों के दो मैचों को देखा था। ये मैच आईएसजीईसी हैवी इंजीनियरिंग कंपनी की ओर से स्पॉसर किए गए थे। मौके पर खिलाड़ियों को आईएसजीईसी हैवी इंजीनियरिंग कंपनी की तरफ से किट भी वितरित की गई।

कोच सुदेश रानी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों की ओर प्रेरित करती हैं। इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन का पूरा सहयोग मिला। इस लीग का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और फुटबॉल के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ाना है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने खुद मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया, जिसके बदौलत खिलाड़ियों में जोश और उत्साह पहले से दोगुना हो गया। ग्राम पंचायत, आयोजन समिति ने उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा का आभार जताया।

लुधियाना में प्रशासनिक फेरबदल, डिप्टी कमिश्नर ने 3 कर्मचारियों के तबादले किए

» प्रथम न्यूज । लुधियाना

06 जुलाई (शाम सुन्दर सरपाल)

लुधियाना में जिला प्रशासन ने प्रशासनिक कार्यों को सुचारु बनाने के उद्देश्य से कर्मचारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। डिप्टी कमिश्नर कार्यालय की ओर से जारी आदेशों के अनुसार तीन कर्मचारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया गया है। आदेश 6 जुलाई 2026 से लागू माने जाएंगे। जारी आदेशों के मुताबिक सुनील कस्तूरी कुमार, सीनियर सहायक को चीफ अकाउंटेंट कार्यालय से हटाकर डिप्टी कमिश्नर कार्यालय (डी.आर.डी.ए. शाखा) में तैनात किया गया है। जगजीत कौर, सीनियर सहायक को जिला तहसीलदार कार्यालय से चीफ अकाउंटेंट कार्यालय (डिप्टी कमिश्नर कार्यालय) में भेजा गया है। इसी तरह हरनीत कौर, क्लर्क को अमल शाखा (डी.सी.-1) से रिकॉर्ड रूम शाखा में स्थानांतरित किया गया है। डिप्टी कमिश्नर द्वारा जारी इन आदेशों में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालें, ताकि कार्यालयी कार्य प्रभावित न हों।

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी 7 तथा 8 जुलाई को रहेंगे जिला प्रवास पर

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी 7 तथा 8 जुलाई को जिला बिलासपुर के प्रवास पर रहेंगे। यह जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राजेश धर्माणी 7 जुलाई को प्रात: 11 बजे राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बिलासपुर में पंजाब केसरी द्वारा आयोजित हेल्थ चेकअप कैंप में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने के उपरांत दोपहर 12:30 बजे परिधि गृह बिलासपुर में पत्रकार वार्ता करेंगे। इसी दिन सायं 3 बजे के बाद घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा मंत्री 8 जुलाई को प्रात: 10 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हटवाड़ के विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगे तथा इसके उपरांत घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगें।

लुधियाना में युवक ने खुद को लगाई आग

लुधियाना (शाम सुन्दर सरपाल)- थाना जोधेवाल के अधीन आते कैलाश नगर रोड पर कबाड़ का काम करने वाले व्यक्ति ने कर्ज से परेशान होकर खुद को आग लगाने का मामला सामने आया है।

इस बारे जानकारी देते हुए पीड़ित व्यक्ति संजीव मोनू (43) ने अस्पताल में इलाज के दौरान बताया कि उसने कुछ लोगों से ब्याज पर पैसे उधार लिए हुए हैं जिसके चलते वह लोग उसे पैसे वापस करने के लिए तंग परेशान कर रहे थे, जिससे दुखी होकर आज उसने खुद को आग लगा ली। जिसके बाद उसे गंभीर रूप में सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, यहां डॉक्टरों द्वारा संजीव को 70त्न तक जलने के कारण उसे राजेंद्र हॉस्पिटल पटियाला में रेफर कर दिया गया है। जब उक्त मामले बारे थाना जोधेवाल के जांच अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा उक्त मामले की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन चल रही है तथा उचित कार्रवाई की जाएगी।

जालंधर के रैणक बाजार स्थित स्कूल गेट से गायब 12 वर्षीय बच्ची

» प्रथम न्यूज । जालंधर

06 जुलाई (शिव कुमार)

जालंधर के मेन रैणक बाजार इलाके में उस समय हड़कंप मच गया, जब घर से स्कूल के लिए निकली एक 12 वर्षीय बच्ची रहस्यमय हालात में लापता हो गई। बच्ची की पहचान सोनी कुमारी के रूप में हुई है, जो कक्षा पांचवीं की छात्रा है।

परिजनों के अनुसार, अली मोहल्ले से चार बच्चे एक साथ स्कूल के लिए निकले थे। इनमें से तीन बच्चे तो स्कूल पहुंच गए, लेकिन सोनी कुमारी स्कूल नहीं पहुंची। जब परिवार ने स्कूल प्रशासन से संपर्क किया तो पता चला कि बच्ची स्कूल परिसर के अंदर गई ही नहीं।

बच्ची की मां पूजा देवी ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। मामले की जानकारी देते हुए एएसआई राजकुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्ची स्कूल के गेट तक तो पहुंची, लेकिन वहां से ही वापस मुड़ गई। इसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और परिजनों व स्कूल प्रशासन के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जल्द ही बच्ची का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। परिवार ने प्रशासन से बच्ची को जल्द से जल्द ढूंढने की गुहार लगाई है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पंजाब कांग्रेस में बढ़ी अंदरूनी कलह

चन्नी ने प्रभारी भूपेश बघेल की बैठक का किया बहिष्कार

मोहाली (ब्यूरो)- पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान अब खुली गुटबाजी में बदलती नजर आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने पार्टी के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल द्वारा बुलाई गई बैठक का बहिष्कार कर दिया। आधिकारिक बैठक में शामिल होने के बजाय चन्नी ने मोहाली में अपने समर्थक सांसदों, विधायकों और पूर्व विधायकों के साथ अलग बैठक की। इसके बाद वह दिल्ली रवाना हो गए, जहां उनके कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात करने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, चन्नी समर्थकों ने बघेल के पंजाब पहुंचने पर उनका स्वागत भी नहीं किया, जिससे दोनों गुटों के बीच बढ़ती दूरी साफ दिखाई दी। बैठक के बहिष्कार के बाद भूपेश बघेल ने पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के आवास पर जाकर मुलाकात की। बाजवा अब तक इस नेतृत्व विवाद पर सार्वजनिक रूप से चुप्पी बनाए हुए हैं।

चन्नी खेमे का दावा है कि उन्हें सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, छह विधायकों और नव-नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष संगत सिंह गिलजियां का समर्थन प्राप्त है। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के पक्ष में फिलहाल केवल सांसद डॉ. अमर सिंह ने खुलकर समर्थन जताया है, जबकि किसी विधायक ने सार्वजनिक रूप से उनके समर्थन की घोषणा नहीं की है।

भूपेश बघेल के पंजाब पहुंचने से पहले चन्नी ने मोहाली में अपने समर्थकों के साथ रणनीति बैठक की, जिसमें पंजाब प्रभारी की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला लिया गया। बाद में चन्नी ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह बैठक मोरिंडा में हुई पिछली बैठक का ही विस्तार थी।

कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब में बढ़ती गुटबाजी को देखते हुए भूपेश बघेल को पांच दिवसीय दौरे पर भेजा है। इस दौरान वह चंडीगढ़ में दोनों गुटों के नेताओं से अलग-अलग बैठक करेंगे और आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में एकजुटता कायम करने की कोशिश करेंगे।

PSEB का बड़ा फैसला : 8वीं और 10वीं के रजिस्ट्रेशन के लिए डिजिटल बर्थ सर्टिफिकेट अनिवार्य

मोहाली (ब्यूरो)- पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (PSEB) ने 8वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बोर्ड ने इन दोनों कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल बर्थ सर्टिफिकेट अनिवार्य कर दिया है। हालांकि, विद्यार्थियों और स्कूलों को राहत देते हुए बोर्ड ने अपने पोर्टल पर अंडरटेकिंग (Undertaking) का विकल्प भी उपलब्ध करा दिया है। बोर्ड के अनुसार, जिन विद्यार्थियों का बर्थ सर्टिफिकेट अभी तक नहीं बना है या डिजिटल रूप में उपलब्ध नहीं है, उनके स्कूल पोर्टल पर अंडरटेकिंग अपलोड कर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि बिना लेट फीस के रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि ऑनलाइन फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। बोर्ड ने सभी स्कूलों और विद्यार्थियों से निर्धारित समयसीमा के भीतर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

कोटकपूरा गोलीकांड मामले में सुखबीर बादल को विदेश जाने की अनुमति

11 जुलाई तक देश से बाहर रहेंगे सुखबीर, 18 जुलाई को कोर्ट में पेशी

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- बहुचर्चित कोटकपूरा गोलीकांड मामले में आरोपित पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को चंडीगढ़ जिला अदालत से विदेश यात्रा की अनुमति मिल गई है। अदालत ने उन्हें 7 से 11 जुलाई तक देश से बाहर रहने की मंजूरी दी है। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को निर्धारित है और कोर्ट ने सुखबीर बादल को उस तिथि से पहले भारत लौटने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान सुखबीर बादल के वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल की जान को खतरा है और उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने उस देश का नाम सार्वजनिक करने से इनकार किया, जहां सुखबीर बादल यात्रा पर जा रहे हैं।

वहीं, पंजाब सरकार की ओर से पेश वकील ने अदालत में विदेश यात्रा की अनुमति का विरोध करते हुए कहा कि सुखबीर बादल इस मामले के प्रमुख आरोपित हैं। सरकारी पक्ष का तर्क था कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के दौरान गैरकानूनी तरीके अपनाए गए थे और आरोपित ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर लंबे समय तक जांच को प्रभावित किया।

गौरतलब है कि 11 वर्ष पुराने कोटकपूरा गोलीकांड मामले की सुनवाई चंडीगढ़ जिला अदालत में चल रही है। अदालत ने विदेश यात्रा की अनुमति देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि सुखबीर बादल को निर्धारित तिथि पर न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना होगा।

यूपी के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी होगा, योगी कैबिनेट ने लगाई मुहर

» प्रथम न्यूज । लखनऊ
06 जुलाई (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को 5 कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर हुई अहम कैबिनेट बैठक में कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। दोनों डिप्टी सीएम और कैबिनेट मंत्रियों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में कुल 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

सरकार ने जहां एक तरफ शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलने के ऐतिहासिक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में निवेश, शिक्षा और पशुपालकों के हित में कई बड़ी घोषणाएं की हैं।

हालांकि, इस बैठक में मदरसा शिक्षकों से जुड़े एक अहम प्रस्ताव पर फिलहाल कोई फैसला नहीं हो सका और उसे टाल दिया गया।

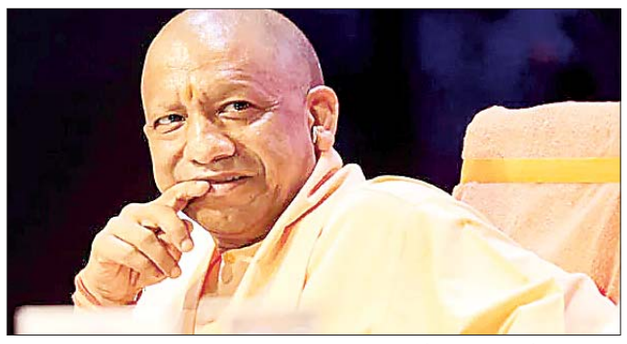

जलालाबाद तहसील अब कहलाएगी 'भगवान परशुराम पुरी', प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू

कैबिनेट बैठक में लिए गए सबसे प्रमुख फैसलों में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलना शामिल है। योगी कैबिनेट ने जलालाबाद तहसील का नया नाम अब 'भगवान परशुराम पुरी' करने के प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी दे दी है। सरकार के इस निर्णय के बाद क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। शासन की ओर से अब इस संबंध में राजस्व और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे जल्द ही सरकारी दस्तावेजों में भी नया नाम प्रभावी हो जाएगा।

स्टार्टअप नीति 2026 से लेकर पशुधन बीमा योजना तक, 27 प्रस्तावों को हरी झंडी - बैठक के बाद आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील शर्मा ने बताया कि प्रदेश में युवाओं और उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए 'स्टार्टअप मिशन' की स्थापना को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही 'यूपी स्टार्टअप नीति 2026' और 'डेटा सेंटर नीति 2026' पर भी कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। वहीं, पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह के विभाग द्वारा पेश की गई 'मुख्यमंत्री जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना' को भी स्वीकृति मिल गई है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में लागू होने वाली इस योजना से लघु व सीमांत किसानों और पशुपालकों को किसी महामारी, अपंगता या पशु की मृत्यु होने पर बीमा कवर का सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा, कैबिनेट ने कानपुर के बिल्हौर में महर्षि योगी इंटरनेशनल कृषि विश्वविद्यालय, फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय और गाजियाबाद में अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ-साथ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की पेंशन बढ़ाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है।

सीएम योगी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि, धारा 370 का किया जिक्र

कैबिनेट बैठक के इतर, लखनऊ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता और एकता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान' के खिलाफ जोरदार शंखनाद किया और साल 1953 में कश्मीर में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन नेहरू सरकार की तुष्टीकरण नीति और धारा 370 के खिलाफ डॉ. मुखर्जी के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2019 में धारा 370 हटाकर और संविधान लागू करके पूरा किया गया है।

मदरसा शिक्षकों की ग्रेच्युटी के प्रस्ताव पर लगा ब्रेक, कैबिनेट ने टाला फैसला

एक तरफ जहां 27 प्रस्तावों पर सरकार ने मुहर लगाई, वहीं मदरसा शिक्षकों से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। कैबिनेट बैठक के एजेंडे में कुल 28 प्रस्ताव शामिल थे, जिनमें क्रम संख्या 15 पर मदरसा शिक्षकों की ग्रेच्युटी से संबंधित प्रस्ताव सूचीबद्ध था। चर्चा के बाद कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मौजूदा बैठक में मंजूरी न देते हुए टालने का फैसला किया। सरकार की ओर से इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और इसे भविष्य के लिए स्थगित रखा गया है।

गुरुग्राम में केतन अग्रवाल जैसा हत्याकांड

पत्नी को मारकर ठिकाने लगाई लाश; फिर प्रेमिका संग भाग गया था नेपाल

» प्रथम न्यूज । गुरुग्राम
06 जुलाई (ब्यूरो)

पूरे देश में चर्चित पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड से मिलता-जुलता मामला अब हरियाणा के गुरुग्राम में भी सामने आया है। यहां एक एक युवक ने प्रेमिका के लिए अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं पत्नी की हत्या के बाद शव को बाथरूम में छिपाया गया।

पुलिस की जांच के अनुसार, शादी के सिर्फ 3 महीने बाद अंकित ने साजिश रचकर 21 मई को पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर उसके शव को बाथरूम में छिपा दिया। गुरुग्राम पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपित पति और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है। मानेसर क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों को शनिवार रात मानेसर के पास से पकड़ा दबोचा है। हत्या के बाद से ही दोनों फरार चल रहे थे।

दोनों को 5 दिन की रिमांड पर लिया

गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों की पहचान हो गई है। आरोपी पति की पहचान मानेसर के अंकित और प्रेमिका की पहचान झज्जर के गांव औरंगाबाद की रजनी देवी के रूप में की गई है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने दोनों को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया। दोनों से वारदात के बारे में पूछताछ की जाएगी।

रेवाड़ी के हंसाका गांव की रहने वाली मधु की शादी 19 फरवरी को मानेसर गांव के अंकित भगत के साथ हुई थी। मायकेवालों ने ससुराल के लोगों पर प्रताड़ित करने और पति पर ही मधु की हत्या का आरोप लगाया था।

तीन साल से चल रहा था अफेयर

पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित अंकित व रजनी का पिछले तीन साल अफेयर चल रहा था। रजनी पिछले काफी समय से मानेसर में किराये पर रह रही थी। अंकित 21 मई को साजिश के तहत अपनी पत्नी मधु को रजनी के किराये के कमरे पर ले गया। वहां पर मधु की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद दोनों उसे बाथरूम में बंद कर फरार हो गए। हत्या की वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार आरोपित दो महीने पहले ही उत्तर प्रदेश से लेकर आया था।

दोनों भाग गए थे नेपाल

बता दें कि वारदात के बाद अंकित व रजनी हरिद्वार चले गए और वहां से नेपाल भाग गए। ये दोनों 30 जून को ही भारत वापस लौटे थे और मानेसर क्षेत्र में रह रहे थे। पुलिस को भनक लगते ही दोनों दबोचे गए।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के प्रकरण से महंत नृत्य गोपाल दास काफी आहत, पहली बार आई तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

» प्रथम न्यूज । अयोध्या
06 जुलाई (ब्यूरो)

श्रीराम जन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा और बहुमूल्य गहनों व रत्नों की चोरी में आठ लोगों की गिरफ्तारी के बाद ट्रस्ट पर उठते सवालों के बीच पहली बार अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की प्रतिक्रिया सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने नाराजगी भरा पत्र जारी किया है।

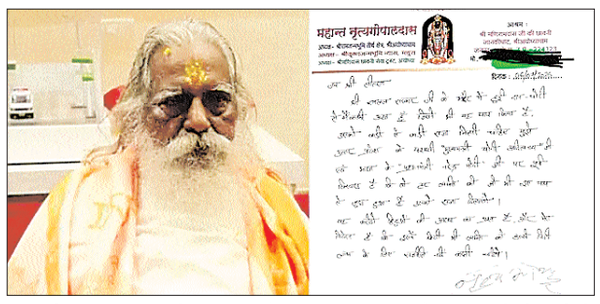

महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में आज श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की बैठक दोपहर तीन बजे से होगी। बैठक पहले महंत नृत्य गोपाल दास के मणि राम दास की छावनी परिसर में होनी थी, लेकिन अब श्रीरामजन्मभूमि परिसर के यात्री सुविधा केंद्र में होगी। अस्वस्थ महंत नृत्य गोपाल दास इस बैठक में वर्चअल रूप से जुड़ सकते हैं।

बैठक से पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत गोपाल दास ने एक पत्र जारी किया और चढ़ावा चोरी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि वह इस घटना से काफी आहत हैं। उन्होंने लिखा कि मंदिर में हुई चोरी की घटना से मैं काफी आहत हूं, जिसने भी यह पाप किया है, उसको कड़ी से कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

किसी भी व्यक्ति को व्यक्तिगत हित के लिए इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

यह करोड़ राम भक्तों की आस्था से जुड़ा हुआ प्रकरण है। महंत नृत्य गोपाल दास ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि सीएम और पीएम उस व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे जो इस पाप से जुड़ा है।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक पर श्री रम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने कहा कि रामलला के यहां चोरी के मामले में शासन, अयोध्या के जिलाधिकारी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पैरवी कर रहे हैं। आरोपियों को अगर फांसी भी दे दी जाती है, हमें कोई आपत्ति नहीं है। हमारी ट्रस्ट के लोग उसे मानने के लिए तैयार हैं।

बुजुर्ग सतीश सचदेवा का कानपुर के सत्या में हुआ सफल प्रथम रोबोटिक घुटना रिसर्फर्सिंग

कानपुर (सुनील बाजपेई)- आज विश्व में तेजी बढ़ती हुई बीमारी गठिया के खिलाफ सर्वाधिक सफलता का पूर्ण श्रेय उस अत्याधुनिक कोरी रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम को जाता है ,जिसमें रोबोटिक टोटल नी यानी घुटना रिसरफ्रेसिंग के प्रयोग के फलस्वरूप केवल छोटा चीरा ही लगता है। रक्तस्राव भी कम होता है। मांस पेशियों को भी कोई नुकसान नहीं होता। उनका पूरी तरह से बचाव होता है। साथ ही फ़िज़ीओथेरपी भी नहीं करानी पड़ती। उससे भी बचाव होता है। यह तकनीक मरीज को न केवल तुरंत चलने फिरने में बल्कि कम पर वापस जाने में भी सफलता प्रदान करती है। जहां तक तकनीक के अंतिम परिणाम का सवाल है। मरीज का घुटना वैसा ही नॉर्मल होता है, जैसा कि कभी जवानी में हुआ करता था।

यह दावा यहां एक पत्रकार वार्ता में लगभग 25 हजार से ज्यादा सर्जरी करके एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित करने वाले बर्रा 6 स्थित सत्य हॉस्पिटल के डायरेक्टर हड्डी रोगों के साथ ही रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के भी विशेषज्ञ डॉ.अमित कुमार अग्रवाल ने किया। अत्याधुनिक कोरी रोबोटिक तकनीक से रियल टाइम टोटल नी (घुटना) रिसरफ्रेसिंग की सुविधा विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण सत्या हॉस्पिटल में भी उपलब्ध होने की जानकारी देते हुए रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ.अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह आधुनिक तकनीक प्रत्येक मरीज की शारीरिक संरचना के अनुसार व्यक्तिगत सर्जिकल योजना बनाने में सहायता करती है तथा ऑपरेशन के दौरान वास्तविक समय (रियल टाइम) में सटीक जानकारी भी उपलब्ध कराती है।

एक सवाल के जवाब में गठिया, नी रिप्लेशमेंट, हिप रिप्लेशमेंट, आर्थोस्कोपिक सर्जरी जैसे जटिल ऑपरेशन कर मरीजों को शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने वाले डॉक्टर ए के अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि रोबोट स्वयं ऑपरेशन नहीं करता, बल्कि सर्जन के नियंत्रण में कार्य करते हुए सर्जरी की सटीकता बढ़ाने में सहायता करता है।

बूढ़े व वृद्ध लोगों के गठिया जैसी बीमारी का सफल घुटना प्रत्यारोपण या अन्य ऑपरेशन से उन्हें न केवल अपनी सामान्य जिदंगी प्रदान करने बल्कि उन्हें नौजवान भी महसूस कराने वाले विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टर एके अग्रवाल ने बताया कि इस नई तकनीक के प्रयोग से छोटा चीरा, कम रक्तस्राव, मांस पेशियों को बचाव, फ़िज़ीओथेरपी से बचाव, तुरंत चलना व काम पर वापस जाना तथा जवानी के दिनों जैसा पूरी तरह नोर्मल घुटना प्राप्त करने जैसे अनेक लाभ होते हैं। उन्होंने बताया कि सत्या हॉस्पिटल में कोरी सिस्टम द्वारा प्रथम रोबोटिक घुटना रिसरफ्रेसिंग लंबे समय से गंभीर घुटना गठिया से पीड़ित चलने फिरने में असमर्थ 75 वर्षीय सुश्री सतीश सचदेवा का सफलतापूर्वक किया गया। उनकी पुनर्वास प्रक्रिया चिकित्सकीय निगरानी में प्रारम्भकी जाएगी। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि रोबोटिक तकनीक आधुनिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी में सटीकता और व्यक्तिगत उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों को भी सी ओ आर आई रोबोट का लाइव प्रदर्शन एवं इसकी कार्यप्रणाली भी दिखाई गई। इस दौरान जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मनीषा अग्रवाल ने आगतों का आभार व्यक्त किया।

मनाली हाईवे पर पैराग्लाइडर की खतरनाक इमरजेंसी लैंडिंग, बीच सड़क पर गिरा

» प्रथम न्यूज । मनाली
06 जुलाई (ब्यूरो)

हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल मनाली के पास एक पैराग्लाइडर का हवा में अचानक संतुलन बिगड़ने से हड़कंप मच गया। स्थिति गंभीर होते देख पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई। इस दौरान बड़ा हादसा टल गया और पायलट को केवल मामूली चोटें आईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार को मनाली के रायसन क्षेत्र में हुई। उड़ान के दौरान अचानक पैराग्लाइडर का नियंत्रण बिगड़ गया और वह तेजी से नीचे आने लगा। आसमान में पैराग्लाइडर को डगमगाता देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

मौसम को माना जा रहा कारण

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अचानक तेज हवा के झोंके या मौसम में बदलाव के कारण पैराग्लाइडर का संतुलन बिगड़ गया था। हालांकि, घटना में किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। हादसे के चलते कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

पायलट की सूझबूझ से बची कई जानें

नीचे रिहायशी इलाका और हाईवे पर वाहनों की आवाजाही को देखते हुए पायलट ने पैराग्लाइडर को घरों और चलती गाड़ियों से दूर ले जाने का प्रयास किया। आखिरकार उसने हाईवे के अपेक्षाकृत खाली हिस्से में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कर दी। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पायलट की मदद कर उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

वायरल वीडियो के बाद उठे सुरक्षा पर सवाल

घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर एडवेंचर स्पोर्ट्स की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस छिड़ गई है। कई लोगों ने मानसून के दौरान पैराग्लाइडिंग गतिविधियों की अनुमति पर सवाल उठाए हैं, जबकि कुछ ने सुरक्षा मानकों को और सख्त बनाने की मांग की है। फिलहाल, संबंधित अधिकारी घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि उड़ान के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया गया था या नहीं।

भवाणा में बड़ा बस हादसा, सड़क धंसने से पलटी बस; 16 यात्री गंभीर घायल

मंडी के सुंदरनगर में दुर्घटना, सड़क बैठते ही अनियंत्रित होकर पलटी यात्री बस

» प्रथम न्यूज । सुंदरनगर
06 जुलाई (ब्यूरो)

मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के भवाणा क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा पेश आया, जब बिलासपुर से सुंदरनगर जा रही एक निजी यात्री बस सड़क धंसने के कारण पलट गई। हादसे के समय बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे। दुर्घटना में 16 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अन्य यात्रियों को भी मामूली चोटें पहुंची हैं।

जानकारी के अनुसार, भवाणा पुल से करीब 200 मीटर पहले बस एक मोड़ से गुजर रही थी। इसी दौरान सड़क का एक हिस्सा अचानक धंस गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस पलटकर सड़क से नीचे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। कई यात्री बस के भीतर फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से बाहर निकाला गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सुंदरनगर पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

गंभीर रूप से घायल यात्रियों में आशा देवी, चिंता देवी, देवकु देवी, कांतो देवी, मनभरू देवी, जया, बबिता यादव, रोडी देवी, रचना देवी, रक्षा देवी, सुरेंद्रा, मुस्कान, रेखा देवी, माया देवी, चालक चमन लाल और परिचालक हमेंद्र कुमार शामिल हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के विधायक राकेश जम्वाल और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे तथा घायलों का हालचाल जाना। प्रशासन ने अस्पताल प्रबंधन को सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सड़क धंसना हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल: शिमला में पर्यटन का नया आकर्षण

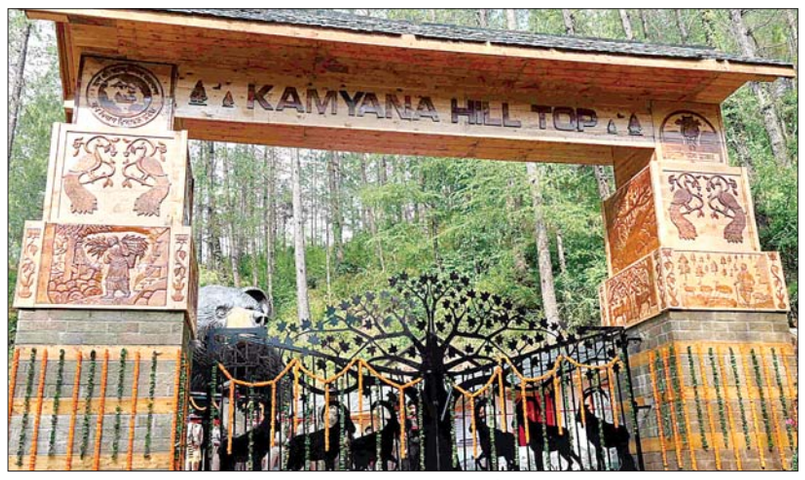

» प्रथम न्यूज । शिमला
06 जुलाई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला अपनी प्राकृतिक सुंदरता, देवदार के घने जंगलों और मनमोहक पर्वतीय दृश्यों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए अब एक और नया आकर्षण जुड़ गया है–कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल। यह परियोजना न केवल पर्यटन को नया आयाम देगी, बल्कि प्रकृति संरक्षण, स्थानीय रोजगार और सतत पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

लगभग 2.5 किलोमीटर लंबी इस सुगम नेचर ट्रेल को इस प्रकार विकसित किया गया है कि बच्चे, युवा, वरिष्ठ नागरिक और प्रकृति प्रेमी सभी इसका आनंद ले सकें। सुरक्षित और सुविधाजनक मार्ग होने के कारण यह ट्रेल परिवारों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनने जा रही है। शिमला पहुंचने के बाद ऑकलैंड टनल से लगभग आठ किलोमीटर की दूरी पर स्थित पोआबो पंचायत में इस ट्रेल का निर्माण किया गया है। सड़क से सीधे जुड़े होने के कारण पर्यटक यहां आसानी से पहुंच सकते हैं और प्रकृति की गोद में सैर करते हुए मनोरम वातावरण का आनंद ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने किया प्रथम चरण का लोकार्पण

हिमाचल प्रदेश को वर्षभर पर्यटकों की पसंदीदा पर्यटन स्थली के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहन देने तथा पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की नीतियों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश की प्राकृतिक वादियां देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को लगातार आकर्षित कर रही हैं।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में वन विभाग द्वारा लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से विकसित महत्वाकांक्षी इको-टूरिज्म एवं नेचर इंटरप्रिटेशन प्रोजेक्ट कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेलके प्रथम चरण का लोकार्पण किया। लगभग आठ हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस परियोजना में 2.5 किलोमीटर लंबा नेचर ट्रेल तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना, प्रकृति के प्रति रुचि विकसित करना, जैव विविधता संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा सतत पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस ट्रेल को हल्की ढलान के साथ इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि सभी आयु वर्ग के लोग, विशेषकर वरिष्ठ नागरिक और बच्चे, आसानी से इसका भ्रमण कर सकें।

सतत पर्यटन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल का विकास सतत पर्यटन के सिद्धांतों को ध्यान में रखकर किया गया है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। Roam the Hills, Respect the Hills का संदेश पर्यटकों को पहाड़ों की सुंदरता का आनंद लेने के साथ-साथ उनके संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है।

प्राकृतिक सौंदर्य, हिमालयी दृश्य, बोनसाई उद्यान, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय रोजगार जैसे अनेक आयामों से परिपूर्ण कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल शिमला में पर्यटन की नई पहचान बनने की क्षमता रखती है। आने वाले समय में यह ट्रेल शिमला आने वाले पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण के रूप में स्थापित हो सकती है तथा प्रदेश के इको-टूरिज्म मॉडल को नई दिशा प्रदान कर सकती है।

कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल: प्रकृति, पर्यटन और आजीविका का अनूठा संगम – अनिकेत वान्वे

उप वन संरक्षक, शिमला, अनिकेत वान्वे ने बताया कि कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल के निर्माण के लिए भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पांच करोड़ रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके तहत स्थानीय युवाओं को नेचर गाइड के रूप में प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2.5 किलोमीटर लंबे इस नेचर ट्रेल के दोनों ओर चीड़, देवदार, बांज (ओक) सहित विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष हैं, जो पर्यटकों और आगंतुकों को प्राकृतिक वातावरण का अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त आगंतुकों के लिए थ्री-डी डिस्प्ले के माध्यम से बोनसाई की विभिन्न प्रजातियों, हिमाचल के राज्य पक्षी मोनाल तथा जुजुराना सहित अनेक पक्षियों की जानकारी प्रदर्शित की गई है।

प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए विभिन्न स्थानों पर वॉच टावर स्थापित किए गए हैं तथा शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग प्वाइंट भी विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि नेचर ट्रेल परिसर में कैक्टस गार्डन, ऑर्किडेरियम तथा विभिन्न प्रजातियों के मशरूम उद्यान भी विकसित किए जा रहे हैं। इनसे बच्चों और पर्यटकों को प्रकृति के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता के बारे में भी जानकारी प्राप्त होगी।

उप वन संरक्षक ने सभी आगंतुकों से अपील की कि वे स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं तथा कूड़ा-कचरा केवल निर्धारित डस्टबिन में ही डालें, ताकि इस नेचर ट्रेल की प्राकृतिक सुंदरता लंबे समय तक सुरक्षित और अक्षुण्ण बनी रहे।

स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर

परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी है। ट्रेल के संचालन और प्रबंधन में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दिए जाने से रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए साधन विकसित होंगे।

हिमालयी सौंदर्य का अनूठा अनुभव

कमियाना हिल टॉप नेचर ट्रेल की सबसे बड़ी विशेषता यहां से दिखाई देने वाले हिमालय के मनोरम दृश्य हैं। ट्रेल पर चलते हुए पर्यटक शाली शिखर, महालू शिखर, मशोबरा, नालदेहरा तथा आसपास की पर्वत श्रृंखलाओं के विहंगम दृश्य एक ही स्थान से देख सकते हैं। प्रकृति के बीच बिताया गया यह अनुभव पर्यटकों को शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर सुकून और ताजगी का एहसास कराता है।

इको-टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

यह ट्रेल शिमला में इको-टूरिज्म को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। परियोजना का उद्देश्य पर्यटन गतिविधियों को प्रकृति संरक्षण के साथ जोड़ना है, ताकि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए पर्यटन का सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। इससे पर्यटकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

बोनसाई उद्यान बनेगा विशेष आकर्षण

नेचर ट्रेल में विकसित किया गया बोनसाई उद्यान भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। यहां लगभग 15 प्रजातियों के 40 बोनसाई पौधे लगाए गए हैं, जो प्रकृति और बागवानी में रुचि रखने वाले लोगों को विशेष रूप से आकर्षित करेंगे। यह उद्यान ट्रेल की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरणीय शिक्षा का भी प्रभावी माध्यम बनेगा।

लीची के बागों से महकने लगी बिलासपुर के लंझता गांव की धरती

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
06 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर के घुमारवीं उपमंडल की ग्राम पंचायत लंझता आज अपनी पहचान बदल रही है। यहां खेतों में अब केवल मौसमी फसलें ही नहीं, बल्कि लीची के हरे-भरे बाग भी भविष्य की समृद्धि का संदेश दे रहे हैं। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एचपी शिवा परियोजना ने इस बदलाव की मजबूत नींव रखी है। कुछ वर्ष पहले तक जिन किसानों के लिए व्यावसायिक फलोत्पादन केवल एक कल्पना मात्र था, आज वही किसान अपने बागों में लगने वाले फलों को देखकर न केवल उत्साहित हैं बल्कि भविष्य में आर्थिक समृद्धि के लिए भी आशान्वित हैं।

गांव में इस परिवर्तन की शुरुआत वर्ष 2019-20 में हुई, जब ग्राम पंचायत लंझता को एचपी शिवा परियोजना के अंतर्गत फ्रंट लाइन डेमोस्ट्रेशन (एफएलडी) के लिए चयनित किया गया। प्रारंभिक चरण में 500 लीची के पौधों का रोपण किया गया। किसानों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और परियोजना के सफल क्रियान्वयन ने इस पहल को गति दी।

परिणामस्वरूप वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 में 9,505 अतिरिक्त पौधों का रोपण किया गया। आज यह प्रयास एक संगठित लीची क्लस्टर का रूप ले चुका है, जहां लगभग 13.5 हेक्टेयर क्षेत्र में 54 किसान आधुनिक लीची फलोत्पादन से जुड़े हैं। किसी भी बागवानी परियोजना की सफलता केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि पौधों के संरक्षण, सिंचाई और वैज्ञानिक देखभाल के लिए मजबूत आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकता भी रहती है। इसी परियोजना के अंतर्गत पौधों की सिंचाई के लिए एक लाख लीटर क्षमता का विशाल जल भंडारण टैंक तथा 20-20 हजार लीटर क्षमता के सात अन्य टैंक निर्मित किए गए हैं। साथ ही बागवानी विभाग के अधिकारी समय-समय पर किसानों का तकनीकी एवं वैज्ञानिक तौर पर मार्गदर्शन भी प्रदान कर रहे हैं। इन तमाम प्रयासों एवं सुविधाओं ने जहां किसानों को सिंचाई संबंधी चिंताओं से काफी हद तक राहत प्रदान की है तो वहीं पौधों की नियमित देखभाल एवं निगरानी से पौधों का बेहतर विकास भी सुनिश्चित हुआ है।

इस संबंध में जब लाभार्थी किसान प्रकाश चंद से बातचीत की तो उनके चेहरे की मुस्कान ने इस परियोजना की सफलता की सबसे बड़ी गवाही दी। उन्होंने अपनी जमीन में लगभग 850 लीची के पौधे लगाए हैं। वे कहते हैं कि जब पौधे लगाए गए थे, तब भरोसा नहीं था कि कुछ वर्षों बाद यही पौधे उनकी आय का महत्वपूर्ण स्रोत बनेंगे। लेकिन आज उन्हीं पौधों पर फल आना शुरू हो गया है। वे कहते हैं, यह केवल लीची का फल नहीं, बल्कि हमारी वर्षों की मेहनत और उम्मीदों का परिणाम है। आने वाले वर्षों में उत्पादन बढ़ेगा तो निश्चित रूप से हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी।

इसी तरह एक अन्य लाभार्थी किसान लता देवी ने भी अपनी भूमि में 834 लीची के पौधे लगाए हैं तथा पिछले वर्ष से पौधों पर अच्छी गुणवत्ता के फल आने लग गए हैं। वह विश्वास के साथ कहती हैं कि जैसे-जैसे पौधे अधिक परिपक्व होंगे, उन्हें अच्छी फसल प्राप्त होने पर आय में भी वृद्धि होगी। लता देवी कहती हैं कि लीची जैसे व्यावसायिक फलोत्पादन ने उन जैसी अनेक ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई संभावनाएं के द्वार खोले हैं। किसानों का कहना है कि गत वर्ष इस क्लस्टर से लगभग 12 से 15 क्विंटल लीची का उत्पादन प्राप्त हुआ था, लेकिन इस वर्ष मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण उत्पादन लगभग 4 से 5 क्विंटल ही हुआ है। उनका कहना है कि पौधों की बढ़ती आयु के साथ-साथ उत्पादन में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होगी और आने वाले वर्षों में यह क्लस्टर कहीं अधिक बेहतर परिणाम देगा।

उद्यान विभाग के अधिकारियों के अनुसार एचपी शिवा परियोजना के अंतर्गत लंझता में प्रथम चरण में एफएलडी तथा दूसरे चरण में पीआरएफ क्लस्टर विकसित किया गया है। इसमें उच्च घनत्व (हाई डेंसिटी) पद्धति से पौधरोपण किया गया है, ताकि सीमित भूमि पर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। विभाग किसानों को नियमित तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण तथा आवश्यक परामर्श उपलब्ध करा रहा है, जिससे वैज्ञानिक बागवानी को बढ़ावा मिल रहा है। क्लस्टर में पौधों एवं फलों को जंगली जानवरों तथा बेसहारा पशुओं से बचाने के लिए बाड़बंदी भी की गई है। उनका कहना है कि आने वाले वर्षों में लीची का यह क्लस्टर जुड़े परिवारों की आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बनेगा। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार का कहना है कि एचपी शिवा परियोजना ने यह सिद्ध किया है कि यदि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, आधुनिक तकनीक और किसानों की मेहनत एक साथ जुड़ जाए तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और नई गति दी जा सकती है। जिला के लंझता गांव के हरे-भरे लीची के बाग आज इसी सकारात्मक परिवर्तन के साक्षी बने हैं। जिला प्रशासन का भी यह प्रयास रहता है कि संबंधित विभागों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का समयबद्ध एवं बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो ताकि योजनाओं का समयबद्ध लाभ पात्रों तक पहुंच सके तथा उनके जीवन में सकारात्मक एवं आर्थिक बदलाव लाया जा सके।

उपमंडल बंगाणा बीडीसी अध्यक्ष उपाध्यक्ष पर आज होगा सत्ता का फैसला, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद को लेकर बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

कुटलैहड़ भाजपा का दावा,19 में से 14 बीडीसी सदस्यों का समर्थन

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
06 जुलाई (जोगिंद्र देव आर्य)

उपमंडल बंगाणा में आज ब्लॉक विकास समिति (बीडीसी) अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां चरम पर हैं। पूरे कुटलैहड़ विधान सभा क्षेत्र की निगाहें इस चुनाव पर टिकी हुई हैं। बंगाणा बीडीसी में कुल 19 सदस्य हैं और अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए बहुमत का आंकड़ा 10 का है। ऐसे में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने अपने-अपने स्तर पर पूरी ताकत झोंक दी है। कुटलैहड़ भाजपा ने दावा किया है कि उसके पास 19 में से 14 भाजपा समर्थित बीडीसी सदस्यों का समर्थन है। यदि भाजपा का यह दावा मतदान में सही साबित होता है तो अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उसकी जीत लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि अंतिम फैसला मतदान के बाद ही सामने आएगा और इसी कारण राजनीतिक गलियारों में उत्सुकता बनी हुई है।

क्या कांग्रेस करेगी कोई खेला, सभी की नजरें क्रॉस वोटिंग की संभावना पर: चुनाव से पहले सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस कोई राजनीतिक रणनीति अपनाकर मुकाबले को रोचक बनाएगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बीडीसी चुनावों में कई बार अंतिम समय में समीकरण बदलते रहे हैं। ऐसे में क्रॉस वोटिंग अथवा निर्दलीय सदस्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि भाजपा अपने बहुमत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त दिख रही है, लेकिन कांग्रेस भी अंतिम समय तक अपनी रणनीति पर काम कर रही है। यही कारण है कि आज होने वाला मतदान केवल औपचारिकता नहीं बल्कि राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। चुनाव परिणाम यह भी तय करेगा कि पंचायत स्तर पर किस दल की पकड़ अधिक मजबूत है।

पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर के समर्थकों की भूमिका पर भी रहेगी नजर:

इस चुनाव में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र कंवर के समर्थक बीडीसी सदस्यों की संख्या और उनकी भूमिका पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं। लंबे समय तक कुटलैहड़ की राजनीति में प्रभाव शाली रहे वीरेंद्र कंवर का पंचायत स्तर पर मजबूत जनाधार माना जाता रहा है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके समर्थक सदस्य किस प्रकार की भूमिका निभाते हैं और चुनावी परिणामों पर उनका कितना प्रभाव पड़ता है।

वहीं वर्तमान विधायक विवेक शर्मा के नेतृत्व में भाजपा संगठन भी अपनी मजबूती का दावा कर रहा है। ऐसे में आज का चुनाव भाजपा के भीतर संगठनात्मक शक्ति और जनप्रतिनिधियों के समर्थन का भी एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

दविंदर कुमार भुट्टो का 20 वर्षों तक बंगाणा बीडीसी पर रहा एक छत्र प्रभाव: क्या आज बनेगा नया इतिहास, बंगाणा बीडीसी का राजनीतिक इतिहास भी काफी रोचक रहा है। वर्ष 2000 में प्रो. प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान, उस समय कुटलैहड़ को डिप्टी स्पीकर जैसा महत्वपूर्ण पद मिलने के बावजूद भी तत्काल भाजपा नेता वीरेंद्र कंवर के समर्थक दविंदर कुमार भुट्टो बंगाणा बीडीसी के अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद लगभग दो दशकों तक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर भाजपा नेता दविंदर कुमार भुट्टो का प्रभाव बना रहा और बंगाणा बीडीसी की राजनीति पर उनका मजबूत नियंत्रण देखने को मिला।

अब समय बदल चुका है और कुटलैहड़ की राजनीति में नए नेतृत्व के साथ नए समीकरण भी सामने आए हैं। ऐसे में आज होने वाला चुनाव केवल अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पंचायत स्तर पर बदलते राजनीतिक संतुलन की भी तस्वीर पेश करेगा। आज होने वाले मतदान के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि भाजपा का 14 सदस्यों के समर्थन का दावा कितना मजबूत है, कांग्रेस कोई अप्रत्याशित राजनीतिक समीकरण बना पाती है या नहीं, और पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर के समर्थकों की भूमिका किस दिशा में परिणामों को प्रभावित करती है।

बंगाणा बीडीसी चुनाव के नतीजे कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र की आगामी राजनीति के लिए महत्व पूर्ण संकेत देने वाले साबित हो सकते हैं।

अंडर-20 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत ने जीते 7 पदक, ओवरऑल टीम ट्रॉफी में तीसरा स्थान

हिमाचल के अंतर्राष्ट्रीय कोच जॉनी चौधरी कर रहे हैं टीम का सानिध्य

» प्रथम न्यूज । बरठी
06 जुलाई (देश राज)

थाईलैंड के पटाया में आयोजित अंडर-20 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 में भारतीय फ्रीस्टाइल रेसलिंग टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक अपने नाम किए और ओवरऑल टीम ट्रॉफी में तीसरा स्थान हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया। अंतर्राष्ट्रीय कोच जॉनी चौधरी ने बताया कि भारतीय टीम के पहलवानों ने विभिन्न भार वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सुमित कुमार ने 70 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पुष्प 61 किग्रा, सौरभ यादव 79 किग्रा तथा रोनक ने 125 किग्रा में रजत पदक अपने नाम किए। वहीं रोहित 57 किग्रा, आदर्श युराज पाटिल 74 किग्रा और लकी ने 97 किग्रा भरवर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत की झोली में कुल सात पदक डाले।

इन उत्कृष्ट प्रदर्शनों के आधार पर भारतीय टीम ने अंक तालिका में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए ओवरऑल टीम ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

जॉनी चौधरी ने इस शानदार उपलब्धि पर सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, कोच सहवान, सपोर्ट स्टाफ तथा पूरे भारतीय दल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय कुश्ती महासंघ की सराहना करते हुए कहा कि महासंघ के मार्गदर्शन, योजनाओं और निरंतर प्रयासों के कारण भारतीय युवा पहलवान अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

भारतीय कुश्ती संघ तथा हिमाचल प्रदेश कुश्ती संघ ने भी सभी युवा पहलवानों को बधाई देते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर पूरे देश को गर्व है और उनसे भविष्य में भी ऐसी ही उपलब्धियों की उम्मीद है।

एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए यूथ फेस्ट-2026 के तहत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
06 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) के अंतर्गत शनिवार को क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर के ट्रॉमा सेंटर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में यूथ फेस्ट-2026 के तहत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इस बीमारी से जुड़े मिथकों एवं सामाजिक कलंक (स्टिग्मा) को दूर करना तथा वैज्ञानिक जानकारी एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था।

प्रतियोगिता में जिला बिलासपुर के विभिन्न राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की दस टीमों ने भाग लेकर एचआईवी/एड्स से संबंधित विषयों पर अपनी जानकारी एवं प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि दत्त शर्मा ने की। इस अवसर पर जिला एड्स कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक गुरुंग, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनंत राम तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (बालिका) बिलासपुर की ह्यप्राप्त किया। विजेता टीम अब राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में जिला बिलासपुर का प्रतिनिधित्व करेगी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला औहर ने द्वितीय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घागस ने तृतीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डंगार ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि दत्त शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि एचआईवी/एड्स के प्रति सही एवं वैज्ञानिक जानकारी ही इस बीमारी से जुड़े भ्रम, भेदभाव और सामाजिक कलंक को समाप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग समाज में जागरूकता फैलाने का सबसे सशक्त माध्यम है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित टीम को शुभकामनाएं देते हुए सभी प्रतिभागियों के उत्साह और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों से एचआईवी/एड्स की रोकथाम, समय पर जांच, उपचार की उपलब्धता तथा संक्रमित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं भेदभाव रहित व्यवहार अपनाने का आह्वान किया।

अर्की कॉलेज के प्राध्यापकों ने काले बिल्ले लगाकर जताया विरोध

डीपीसी और सीएएस लागू करने की मांग

» प्रथम न्यूज । अर्की
06 जुलाई (योगेश चौहान)

राजकीय महाविद्यालय अर्की के प्राध्यापकों ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश महाविद्यालय प्राध्यापक संघ (एचजीसीटीए) के बैनर तले गेट मीटिंग आयोजित कर सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजन तनवर ने बताया कि इस दौरान प्राध्यापकों ने काले बिल्ले लगाकर विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की लंबित बैठकों को शीघ्र आयोजित करने तथा करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) को लागू करने की मांग उठाई।

एचजीसीटीए इकाई अर्की के अध्यक्ष डॉ. मस्तराम ने कहा कि वर्ष 2021 से पे-बैंड-2, पे-बैंड-3 तथा पे-बैंड-4 के अंतर्गत पात्र महाविद्यालय प्राध्यापकों की पदोन्नतियां लंबित हैं, जिससे उन्हें आर्थिक एवं सेवा संबंधी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से शीघ्र डीपीसी आयोजित कर पात्र प्राध्यापकों को समय पर पदोन्नति प्रदान करने की मांग की।

उन्होंने बताया कि राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर 6 जुलाई से 11 जुलाई तक महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक काले बिल्ले लगाकर नियमित अध्यापन कार्य करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराएंगे। साथ ही सरकार से करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) को भी शीघ्र लागू करने का आग्रह किया गया।

इकाई के सचिव डॉ. यशवंत शांडिल ने कहा कि सरकार को महाविद्यालय प्राध्यापकों की लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए समय पर पदोन्नति एवं सभी वित्तीय लाभ सुनिश्चित करने चाहिए।

प्राध्यापकों ने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर लंबे समय से लंबित मामलों का समाधान करेगी।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

बंगाणा में पंचायत समिति अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव स्थगित, भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

बंगाणा, (जोगिंद्र देव आर्य) - पंचायत समिति बंगाणा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव के लिए प्रशासन ने सोमवार को मतदान की तिथि निर्धारित की थी, लेकिन सुबह ही पंचायत समिति सदस्यों के व्हाट्सएप ग्रुप में संदेश जारी कर चुनाव प्रक्रिया स्थगित किए जाने की सूचना दे दी। चुनाव स्थगित होने की खबर मिलते ही भाजपा समर्थक और कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालते हुए बंगाणा बाजार में प्रदर्शन किया और बाद में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) से मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन का यही रवैया जारी रहा तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस दौरान भाजपा नेता देवेंद्र कुमार भुट्टो ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने पहले चुनाव की तिथि घोषित की और फिर बिना उचित कारण उसे रद्द कर दिया, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि प्रशासन सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है।

वहीं, उपमंडल अधिकारी सोनू गोयल ने बताया कि किन्हीं प्रशासनिक कारणों से सोमवार को प्रस्तावित चुनाव स्थगित करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि नई तिथि निर्धारित होने पर सभी संबंधित सदस्यों को सूचित किया जाएगा।

चुनाव स्थगित होने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं और अब सभी की निगाहें प्रशासन द्वारा घोषित की जाने वाली नई चुनाव तिथि पर टिकी हैं।

जिला के भाखड़ा बांध विस्थापितों के लिए सिरसा हरियाणा में प्लाटों का हुआ आवंटन

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि भाखड़ा बांध विस्थापितों के लिए हरियाणा के गांव देसू जोधां तहसील डबवाली, जिला सिरसा में माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशों के तहत प्लाटों का आवंटन कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी अलाटी भाखड़ा बांध विस्थापित को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह एक माह के भीतर कार्यालय उपायुक्त रिसेटलमैंट फतेहाबाद, हरियाणा में दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्लाट आवंटन की अवधि एक माह से अधिक हो जाने पर अंतिम अलाटमैंट की प्रक्रिया को पूर्ण कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गांव देसू जोधां, तहसील डबवाली, जिला सिरसा हरियाणा में 27 भाखड़ा बांध विस्थापितों को प्लाटों का आवंटन किया गया है। जिनमें बड़गांव, तहसील घुमारवीं, बिलासपुर के आज्ञाराम पुत्र हरया राम, इन्द्र पुत्र काहना, चंदू पुत्र काहना, दुर्गा पुत्र काहना, सीता राम पुत्र काहना, अनंत राम पुत्र लाभू, बाली राम पुत्र लाभू, बीरबल पुत्र लाभू, संतराम पुत्र लाभू, खजाना राम पुत्र जंगी, प्रभदयाल पुत्र सुदामा, रामदयाल पुत्र सुदामा, गंगा राम पुत्र सुदामा जबकि ग्राम पंचायत डोहक, तहसील घुमारवीं बिलासपुर के ओम प्रकाश पुत्र सीरी राम, परस राम पुत्र सीरी राम, ज्योति प्रकार पुत्र श्रीराम, भगत राम पुत्र कांशी राम, प्रभा पुत्र सुबा तथा सीता राम पुत्र मुंशी राम शामिल है। इसी तरह ग्राम बहल फतुआ तहसील घुमारवीं के अछरु पुत्र बान्ना, गांव कथोन घुमारवीं के खजाना पुत्र भोंगी, गांव कुटहेडा घुमारवीं के बलदेव पुत्र हमीरा, रतन सिंह पुत्र कपूरा तथा शेर सिंह पुत्र कपूरा जबकि गांव मटला घुमारवीं के शिवाला चेला गंगागिर मार्फत पुरूषार्थी कमेटी भाखड़ा औस्टीज देसू जोधां शामिल है। इसके अतिरिक्त दो विस्थापित जिला ऊना से सम्बन्धित है।

दीक्षप्रीत कौर ने जीता ग्लिट्ज़ मिस पंजाब 2026 का ताज

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- चितकारा यूनिवर्सिटी में बीती रात आयोजित एक भव्य फिनाले के दौरान दीक्षप्रीत कौर को ग्लिट्ज़ मिस पंजाब 2026 का ताज पहनाया गया। प्रतियोगिता में रिधिमा को फर्स्ट रनर-अप और स्पर्या चौहान को सेकंड रनर-अप घोषित किया गया। सौंदर्य प्रतियोगिता के आयोजक रणदीप चौधरी ने बताया कि इस शो में कुल 43 महिला मॉडलों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस क्षेत्र के सबसे बड़े पेजेंट में से एक है, जो प्रतिभागियों को अपनी शालीनता , प्रतिभा और विशिष्टता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। टाइटल पार्टनर चितकारा यूनिवर्सिटी और पॉवर्ड बाय पाल्मोनास के साथ, इस पेजेंट ने वाइल्डकार्ड एंट्रीज़ और कड़े अंतिम ऑडिशन के बाद अपनी खोज पूरी की। यह प्रतियोगिता ब्यूटी विद पर्पस पर केंद्रित थी, जो युवा महिलाओं को सीमाओं को तोड़ने और अपनी एक अलग पहचान बनाने के लिए सशक्त बनाती है।

खाद्यान्न परिवहन कार्य के लिए दो वर्षों की ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया शुरू

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम) - भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के थोक भंडार बिलासपुर से हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के थोक भंडार सदर तक खाद्यान्न के परिवहन एवं दुलाई कार्य के लिए वर्ष 2026-27 तथा 2027-28 की अवधि (दो वर्ष) के लिए ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, बिलासपुर बिजेंद्र पठानिया ने बताया कि इस कार्य के लिए इच्छुक एजेंसियां अपनी निविदाएं केवल ई-टेंडरिंग पोर्टल https://hptenders.gov.in के माध्यम से 27 जुलाई, 2026 को सायं 5 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकती हैं। निर्धारित समय के बाद प्राप्त अथवा ऑफलाइन माध्यम से भेजी गई किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्राप्त ऑनलाइन निविदाएं 28 जुलाई, 2026 को प्रातः 11 बजे उपायुक्त बिलासपुर अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय, बिलासपुर या उनके द्वारा निर्धारित स्थान पर निविदाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया, पात्रता एवं अन्य शर्तों से संबंधित विस्तृत जानकारी ई-टेंडरिंग पोर्टल पर उपलब्ध है। इच्छुक एजेंसियां निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

आईएमए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी नड्डा और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की शिरकत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

06 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक डॉक्टर दीपक के समान होता हैं, दीपक जब भी जलता है तो दूसरों को रोशनी देता हैं। यानि कोई भी व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है या कठिनाई में है, तो डॉक्टर उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का काम करता हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में चिकित्सा सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को अंबाला शहर स्थित रमाडा रिजार्ट में आईएमए एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्म वेलकम कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा भी विशेषतौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम के माध्यम से डॉक्टरों के साथ सीधा संवाद करते हुए चिकित्सा क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व कार्यों के बारे में उपस्थित सभी चिकित्सकों व अन्यों को जानकारी दी। इस अवसर पर हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस मौके पर उपस्थित डॉक्टरों को दीपक की संज्ञा देते हुए कहा कि डॉक्टर अपने कार्यों को बखूबी कर रहे है। शास्त्रों में वैद्यो नारायण हरि कहा गया है यानि डॉक्टरों को भगवान की संज्ञा दी गई है। हर नागरिक डॉक्टर पर विश्वास करता है एक डॉक्टर कठिन परिस्थिति में मरीज के साथ रहकर उसका इलाज करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। देश तेजी से इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा हैं। अंतिम व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए उसे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना एक अनूठी योजना है, इस योजना के तहत लगभग 32 लाख लोगों को इसका लाभ मिला हैं। हरियाणा में पिछले 12 वर्षों में 17 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं तथा अन्य पर प्रगति जारी हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोला जाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल हैं। वर्ष 2014 से पहले हर साल प्रदेश को 700 डॉक्टर मिला करते थे, आज हर वर्ष 2500 से अधिक डॉक्टर प्रदेश को मिल रहे हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य करते हुए लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने इस दौरान आईएमए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को कहा कि उनकी जो भी मांग है उन पर विचार करके उन्हें पूरा करने का काम किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने डॉक्टरों से सीधा संवाद करते हुए उनसे आग्रह किया कि चिकित्सा क्षेत्र में चिकित्सक अच्छे कार्य कर रहे है उन्हें जनता के सामने जरूर सांझा करें। डॉक्टरी पेशा एक ऐसा वर्ग है जो अपने दायित्व का निर्वहन दिन-रात एक करते हुए मरीजों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में चिकित्सा क्षेत्र में जो अभूतपूर्व कार्य हुए है उन कार्यो को भी डॉक्टरों के साथ साझा किए। उन्होंने कहा कि लगभग 1 लाख 85 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही हैं। देश में 11 वैक्सीन जिसमें जन्म से लेकर 16 वर्ष तक की आयु वर्ग के युवाओं को लगाने का काम किया जा रहा हैं। वैक्सीन का यह प्रतिशत 98 प्रतिशत हैं। इतना ही नहीं आज सरकारी अस्पतालों में महिलाओं डिलीवरी का प्रतिशत बढ़ा हैं। कोरोना काल में भारत ही एक ऐसा देश था जिसने अपनी वैक्सीन तैयार करके विदेशों में भी वैक्सिन उपलब्ध करवाने का काम किया हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के करोड़ों लोगों को कोरोना की वैक्सीन बूस्टर डोज के साथ लगाई गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज भी कुछ देश पोलियो की बीमारी से ग्रस्त है, लेकिन भारत देश पोलियो मुक्त देश है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि वर्ष 2017 से लोगों के स्वास्थ्य की जांच के दृष्टिगत स्क्रीनिंग का कार्य करते हुए लगभग 42 करोड़ लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई हैं। इस स्वास्थ्य जांच में दंत जांच, मानसिक जांच, शुगर, ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर के साथ-साथ अन्य जांच शामिल हैं। आशा वर्करों के माध्यम से 30 साल से ऊपर की आयु वर्ग के लोगों की यह स्वास्थ्य जांच की जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पिछले 9 महीनों में आयुष्मान भारत योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी सुविधाओं को और सुदृढ़ किया गया हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को और बेहतर चिकित्सा देने के लिए डॉक्टरों को अपने मापदण्ड बनाने होंगे। टेलीमेडिसिन के साथ-साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा पर भी जोर देना होगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कुशल मार्गदर्शन में हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। आज हरियाणा में 17 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं तथा बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा लोगों को उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा पूरे देश में 23 नए एम्स मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे है, जिसमें हरियाणा को 2 एम्स मेडिकल कॉलेज दिए गए हैं। डॉक्टरों के सहयोग से देश व प्रदेश स्वस्थ भारत की ओर आगे बढ़ रहा हैं। स्वास्थ्य विभाग लोगों के स्वास्थ्य को स्वस्थ रखते हुए देश व प्रदेश को आगे ले जाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा हैं।

इस मौके पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर अर्चना गुप्ता ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा व मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी का यहां पहुंचने पर अभिनंदन किया और कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री चिकित्सकगणों के साथ हमेशा खड़े हैं। स्वस्थ भारत को बनाए रखने में चिकित्सक अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आयुष्मान योजना के तहत पात्र लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। असंख्य लोगों को इस योजना का लाभ मिला हैं। आयुष्मान योजना के साथ चिरायु योजना को जोड़ते हुए पात्रों की संख्या को बढ़ा कर अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों को यह भी कहा कि सरकारी चिकित्सा योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में आपका अमूल्य योगदान हैं। उन्होनें चिकित्सकों से यह भी कहा कि आयुष्मान योजना के तहत यदि किसी मरीज को इस योजना के ईलाज के पैकेज से कुछ और बढक़र चिकित्सा का लाभ देना है जो पैकेज में न हो, तो चिकित्सक उसे भी जरूर उपलब्ध करवाएं।

इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला ने भी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा व मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी का यहां पहुंचने पर अभिनंदन किया कार्यक्रम के दौरान आईएमए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा व मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी को एक मांग पत्र भी सौंपा।

इस मौके पर विधायक सतपाल जांबा, उपायुक्त अजय सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, आईएमए एसोसिएशन के प्रधान डॉक्टर सतपाल बहल, डॉक्टर संजय अग्रवाल, डॉक्टर कोहली, डॉक्टर अनुराधा बहल, डॉक्टर पुष्पा गर्ग, डॉक्टर एनके बेदी, डॉक्टर शील कांत के साथ-साथ अन्य चिकित्सकगण व गणमान्य लोग मौजूद रहें।

मनीमाजरा सुभाष नगर और इंदिरा कॉलोनी के पार्कों में आवारा कुत्तों का कहर, बच्चे-बुजुर्ग भय के साये में; आखिर कब जागेगा प्रशासन? राजबीर सिह भारतीय

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

06 जुलाई (पुनित महाजन)

मनीमाजरा सेक्टर-13 चंडीगढ़ स्थित इंदिरा कॉलोनी एवं सुभाष नगर शिवालिक गार्डन के पार्कों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्कों में सुबह-शाम सैर करने वाले बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और छोटे बच्चों के अभिभावक भय के माहौल में पार्कों का उपयोग करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब पार्क मनोरंजन और स्वास्थ्य का केंद्र नहीं, बल्कि डर का कारण बन गए हैं।

इस गंभीर समस्या को लेकर मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम सुंदर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी राजबीर सिंह भारतीय तथा चेयरमैन सुभाष धीमान ने संयुक्त रूप से प्रशासन और नगर निगम के पशु विभाग से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

अध्यक्ष श्याम सुंदर ने कहा कि पार्कों में बच्चों के झूले, खेल उपकरण और ओपन जिम पर आवारा कुत्तों का जमावड़ा लगा रहता है। छोटे बच्चे डर के कारण खेल नहीं पा रहे हैं और बुजुर्ग भी सुबह-शाम की सैर करते समय असुरक्षित महसूस करते हैं। पार्कों का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, लेकिन आज स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत हो चुकी है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि नगर निगम और पशु विभाग को कई बार इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। यदि आवारा कुत्तों का नियमित टीकाकरण और नियंत्रण संभव नहीं है, तो उनके लिए डॉग शेल्टर होम बनाए जाएं तथा आबादी वाले पार्कों से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है, लेकिन दुर्भाग्य से इस ओर गंभीरता दिखाई नहीं दे रही।

चेयरमैन सुभाष धीमान ने कहा कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए और कोई बच्चा, महिला या बुजुर्ग आवारा कुत्तों के हमले का शिकार हुआ, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम और संबंधित पशु विभाग की होगी। प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार नहीं करना चाहिए।

इंदिरा कॉलोनी और सुभाष नगर के अनेक गणमान्य महिला-पुरुषों तथा नियमित रूप से पार्कों में सैर करने वाले नागरिकों ने भी रोष व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर वे अपने बच्चों को कहां खेलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित माहौल में कहां टहलें? लोगों ने कहा कि पार्कों में कुत्तों के झुंड के कारण हर समय डर बना रहता है और कई परिवारों ने बच्चों को पार्क भेजना ही बंद कर दिया है।

जनता के प्रशासन से सीधे सवाल

- क्या नगर निगम किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?
- आखिर बच्चों को बिना डर के खेलने का अधिकार कब मिलेगा?
- बुजुर्ग और महिलाएं सुरक्षित वातावरण में सैर कब कर पाएंगे?
- पशु विभाग नियमित टीकाकरण और नसबंदी अभियान को प्रभावी ढंग से क्यों नहीं चला रहा?
- शहर के पार्क नागरिकों के लिए हैं या आवारा कुत्तों के कब्जे के लिए?
- डॉग शेल्टर होम बनाने और आवारा कुत्तों के वैज्ञानिक प्रबंधन की योजना कब लागू होगी?

एसोसिएशन ने प्रशासन से मांग की है कि मनीमाजरा के सभी पार्कों का तत्काल सर्वे कराया जाए, आवारा कुत्तों के नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, नियमित टीकाकरण एवं नसबंदी सुनिश्चित की जाए तथा डॉग शेल्टर होम की व्यवस्था कर पार्कों को बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित बनाया जाए।

राजबीर सिंह भारतीय

दोस्त से मिलने पहुंचे युवक की गोलियां मारकर हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

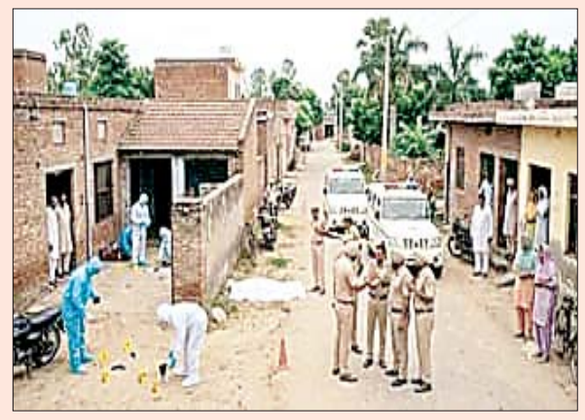

जालंधर (ब्यूरो)- जालंधर जिले के आदमपुर क्षेत्र के गांव डरौली कला में सोमवार सुबह दिनदहाड़े हुई गोलीबारी में एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव ढामुड़ा निवासी दविंदर उर्फ बाजा के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मनप्रीत सिंह उर्फ गंगू को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्तौल भी बरामद कर ली गई है।

जानकारी के अनुसार दविंदर सोमवार सुबह करीब 11 बजे अपने दोस्त मनप्रीत सिंह उर्फ गंगू से मिलने उसके घर पहुंचा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक वहां आए और घर के अंदर चले गए। कुछ देर बाद किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपितों ने सात से आठ राउंड फायरिंग की। इनमें से चार गोलियां दविंदर को लगीं। गोली उसके पैर, पेट और सिर में लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद हमलावर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह विर्क समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी कब्जे में ले ली है। प्रारंभिक जांच में पूरी वारदात और आरोपितों के भागने की घटना कैमरों में कैद होने की बात सामने आई है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

हिमाचल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

32 IAS और HAS अधिकारियों के तबादले, कई अहम पदों पर नई तैनाती

» प्रथम न्यूज । शिमला

06 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। सरकार ने कुल 32 आईएएस व एचएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। छह माह से बिना विभाग बैठे 2010 के आइएएस अधिकारी सुदेश कुमार मोख्टा को पदभार सौंप दिया है। प्रदेश सरकार से पदभार का इंतजार कर रहे सुदेश कुमार मोख्टा को सचिव सहकारिता लगाया गया है।

सरकार ने 16 आईएएस और 16 ही एचएएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। इनमें चार आइएएस अधिकारी वे हैं, जो बतौर एसडीएम तैनात थे अब उन्हें तबदील कर दिया है। प्रदेश कार्मिक विभाग द्वारा जारी किए गए आदेशों के तहत 2002 बैच के आईएएस अधिकारी प्रधान सचिव वित्त व तकनीकी शिक्षा, जल शक्ति विभाग अभिषेक जैन को वित्तायुक्त अपील का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। सचिव सहकारिता अमरजीत सिंह जो नगर एवं ग्राम नियोजन और गृह विभाग का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे अब उन्हें सचिव नगर एवं ग्राम नियोजन लगाया है और सचिव गृह विभाग का अतिरिक्त कार्यभार उन्हीं के पास रहेगा।

प्रबंध निदेशक राज्य औद्योगिक विकास निगम तोरुल एस रवीश को निदेशक भू राजस्व, निदेशक भू राजस्व अभिषेक वर्मा को निदेशक मिल्कफेड, प्रबंध निदेशक हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति व जनजाति विकास निगम सोलन अजय कुमार यादव को प्रबंध निदेशक चिकित्सा सेवाएं निगम शिमला। एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए ऊना महेंद्र पाल गुजर को निदेशक कार्मिक एवं वित्त पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन, एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए कांगड़ा विजय कुमार को प्रबंध निदेशक हिमाचल प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम कांगड़ा का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, वह एचएएस अधिकार शिव मोहन सिंह सैनी को अतिरिक्त कार्यभार से भारमुक्त करेंगे।

एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए सोलन राहुल जैन को प्रबंध निदेशक अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास निगम सोलन और प्रबंध निदेशक महिला विकास निगम सोलन, रजिस्ट्रार उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी सोलन और प्रशासक मानव भारती विश्वविद्यालय सोलन का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। प्रबंध निदेशक हिमाचल प्रदेश राज्य हथकरघा एवं हस्तशिल्प निगम शिमला दिव्यांशु सिंघल को एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए सोलन लगाया है। एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए बिलासपुर ओमकांत ठाकुर को प्रबंध निदेशक हिमाचल प्रदेश राज्य हथकरघा एवं हस्तशिल्प निगम शिमला, एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए मंडी गुरसिमर सिंह को प्रबंध निदेशक सामान्य औद्योगिक निगम लगाया है।

राजदीप सिंह को आयुक्त नगर निगम सोलन लगाया है। प्रदेश सरकार ने आठ एसडीम को तबदील किया है। जिन चार आइएएस अधिकारी जो एसडीएम के पद से तबदील किए गए हैं, उनमें एसडीएम बिलासपुर राजदीप सिंह को आयुक्त नगर निगम सोलन, एसडीएम कांगड़ा इशांत जसवाल को एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए ऊना, सहायक आयुक्त कम बीडीओ नाहन अंजली गर्ग को एसडीएम कांगड़ा, एसडीएम मंडी रुपिंद्र कौर को एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए बिलासपुर, एसडीएम चंबा प्रियांशु खती को एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए मंडी लगाया गया है।

इसके अलावा एचएएस अधिकारियों में सहायक आयुक्त कम बीडीओ भवारना चंद्र प्रकाश को एसडीएम मंडी लगाया गया है। एसडीएम घुमारवी गौरव चौधरी को अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समिति बिलासपुर, एसडीएम फतेहपुर विश्रुत भारती को एसडीएम कफोटा, एसडीएम कफोटा रमन कुमार शर्मा को एसडीएम फतेहपुर, एसडीएम कोटखाई अभिषेक भरवाल को एसडीएम घुमारवीं, सहायक बंदोबस्त अधिकारी अर्की पूजा अधिकारी को एसडीएम नगरोटा बगवां में मुनीश कुमार शर्मा के स्थान पर लगाया है, उनकी तैनाती के आदेश अलग से जारी किए जाएंगे। एसडीएम कुपवी अमन कुमार को महाप्रबंधक एचपीएमसी लगाया गया है।

नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता काप्टा को तबदील कर अतिरिक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं शोध शिमला लगाया गया है, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुरजीत राठौर को तबदील कर दिया है। उन्हें एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए कुल्लू लगाया है।

शिल्पी बेक्टा होंगी निर्वाचन आयोग सचिव- एडीएम कांगड़ा शिल्पी बेक्टा को अतिरिक्त सचिव लोक निर्माण विभाग के साथ राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव लगाया गया है। एडीसी कम परियोजना निदेशक डीआरडीए कुल्लू अश्वनी कुमार को परियोजना अधिकारी आइटीडीपी केलंग, अतिरिक्त निदेशक नैर चौक मंडी संजीव कुमार को सहायक बंदोबस्त अधिकारी अर्की, अतिरिक्त निदेशक युवा सेवाएं खेल विभाग हितेश आजाद को सहायक बंदोबस्त अधिकारी शिमला संजय कुमार के स्थान पर लगाया है। संजय कुमार की तैनाती के अलग से आदेश जारी किए जाएंगे।

रजिस्ट्रार उद्यानिकी एवं वानिकी नौणर सोलन सिद्धार्था आचार्य को कार्यकारी निदेशक एचआरटीसी शिमला, महाप्रबंधक एचपीएमसी सत्नी शर्मा को एसडीएम कुपवी, कार्यकारी निदेशक एचआरटीसी नरेश कुमार वर्मा को अतिरिक्त निदेशक मेडिकल कालेज नैर चौक मंडी, अतिरिक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं शोध शिमला चेत सिंह को सचिव राज्य परिवहन प्राधिकरण कम अतिरिक्त आयुक्त परिवहन विभाग लगाय है, वह निदेशक कार्मिक व वित्त उर्जा निगम नरेश ठाकुर को अतिरिक्त कार्यभार से भारमुक्त करेंगे।